RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-05, अंक - 02 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 13 अक्टूबर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

सुविचार

बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए।

बी.आर. अंबेडकर

दो करोड़ की साइंस बिल्डिंग का निर्माण कार्य दो वर्षों से पड़ा बन्द

निर्माण में लगे सरिये सड़े, रेत के साथ डस्ट का खुलकर किया प्रयोग, जिम्मेदारों की मिलीभगत से घटिया निर्माण का फिर होगा खेल शुरू

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

स्थानीय महावीर महाविद्यालय पेटलावद में बढ़ते छात्र-छात्राओं की संख्या और अन्य विषयों के साथ साइंस फैकेल्टी शुरू होने के बाद महाविद्यालय में बच्चों के लिए बैठने की व्यवस्था नही है। असुविधा के साथ अलग-अलग विषयो के छात्र-छात्राओ एक ही क्लास में बैठने को मजबूर है। सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए दो करोड़ की लागत का साइंस भवन स्वीकृत किया, जिसका निर्माण हाउसिंग बोर्ड विभाग के माध्यम से इंदौर के किसी ठेकेदार को करना था। लगभग दो साल पहले ठेकेदार ने भवन का निर्माण कार्य शुरू किया था और वर्तमान स्थिति में भवन बनकर तैयार हो जाना था, लेकिन ठेकेदार और विभाग की लापरवाही के चलते भवन का निर्माण तो ठीक, भवन का बेस तक तैयार नही हुआ और जो काम हुआ है वो दो साल से बन्द होने से पूरी तरह खराब हो गया। बिलि्ंडग निर्माण के लिए भरे गए कालम आज भी उसी स्थिति में पड़े हैं। कालम के सरिये पूरी तरह से सड़ चुके है। मौके पर पड़े सरिये और कॉलम में लगे सरियो की स्थिति देख कर पता चलता है, अगर ऐसी स्थिति में ही आगे का निर्माण हुआ तो भवन का क्या होगा।

डस्ट का उपयोग, दो वर्ष बाद भराव कर निर्माण करने की तैयारी

भवन निर्माण में मौके पर रेत के साथ पड़ी डस्ट बता रही है कि, भवन की नींव भरने में डस्ट का खुलकर प्रयोग किया है। जबकी भवन की नींव मजबूत होना थी, कार्य से जुड़ा विभाग और उसके उपयंत्री केवल अपने कमीशन पर सीमित है और मौके पर किसी प्रकार का कोई निरीक्षण नही कर रहे। विगत दो वर्ष से बन्द पड़ा कार्य अचानक एक रात में शुरू हुआ और रात के अंधेरे में बरवेट रोड से अवैध रुप से मोरम का उत्खन्न कर भराव कर दिया, भवन की नींव में भराव से पता चलता है। भवन का ठेकेदार निर्माण कार्य शुरू करने के लिए सक्रिय हो रहा है।

विभाग और स्थानीय नेताओं की मिलीभगत से बच्चों के जीवन से खिलवाड़

निर्माण एजेंसी की लापरवाही और विभाग की उदासीनता के चलते अब तक मौके पर हुए कार्य की स्थिति बिगड़ चुकी है। किसी भी भवन की सबसे जरूरी लेयर नींव और कालम होते है जिसके सरिये पूरी तरह से सड़ चुके है। अगर इसी अधूरे निर्माण पर ठेकेदार वापस निर्माण करता है, तो तय है भवन, भविष्य में यहां बैठकर पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के लिए मुसीबत बन सकता है। कमीशन के चक्कर मे विभाग के अधिकारी और स्थानीय नेता इस प्रकार के घटिया कार्य को रोकने की बजाए शुरू करवाने के चक्कर मे है। महाविद्यालय में भाजपा का जिला महामंत्री खुद सांसद प्रतिनिधि बन कर बैठा है जो यहां चल रहे निर्माण में मौन धारण कर अपना उल्लू सीधा करने में लगा है। वही छोटी-छोटी समस्याओ को लेकर उग्र होने वाले महाविद्यालय से जुड़े छात्र संगठन इस मुद्दे पर मौन है। विगत दिनो में मुख्यमंत्री पेटलावद में आये थे, वहां जयस संगठन के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को दिए आवेंदन में इस मुद्दे को उठाया था लेकिन ऐसे दौरों में मिलने वाले आवेंदन रद्दी के ढेर में ही जाते है उन पर कोई कार्रवाई नही होती।

इस तरह से दो वर्श तक नींव भर के छोड़ दिया भवन को ठेकेदार ने।

मौके पर नींव में भरे कालम और पड़े सरिये पूरी तरह से सड़ चुके है।

एक माह पूर्व रात के अंधेरे में चोरी से मोरम का किया भराव।

मौके पर निर्माण कार्य के उपयोग में ली जाने वाली रेत के साथ डस्ट जिसका उपयोग नींव भरने में किया गया।

ठेकेदार पर हो मामला दर्ज, बच्चों के जीवन से नही होने देंगे खिलवाड़

जयस संगठन के ईश्वर गरवाल और समाज के लिए कार्य कर रहे सचिन गामड़ ने बताया कि, हमने मौके पर भवन निर्माण का कार्य देखा है जो बेहत ही खराब हो चुका हैं। इसी निर्माण का आगे बढ़ना मतलब यहां पढ़ने वाले बच्चों के जीवन से खिलवाड़ करना है। हम इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के सामने उठा चुके है, अगर इसी निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया जाता है तो बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेंगे।

ईश्वर गरवाल ने बताया, दो वर्ष बाद भी भवन कार्य नींव से आगे नही बड़ा, ऐसे ठेकेदार पर प्रकरण दर्ज होना चाहिए व उससे वसुली की जाना चाहिए। महाविद्यालय परिसर में पूर्व में हुए छात्रावास भवन निर्माण में लापरवाही की गई, जिसके कारण आज तक करोड़ो के भवन अनुपयोग साबित हो रहे है।

चीनी कंपनी की धोखाधड़ी: 10 आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया है। देश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे लगभग 900 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी का खेल पकड़ा गया। मामले में पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक चीनी नागरिक भी शामिल है।

अधिकारियों के मुताबिक साइबरक्राइम पुलिस ने दिल्ली और अन्य जगहों से संचालित होने वाले कुछ कॉल सेंटर पर छापा मारा था। इसके बाद फर्जी निवेश कराने वाली कंपनियों के बारे में जानकारी मिली। ये कंपनियां मोबाइल ऐप्लिकेशन के जरिए निवेशकों को ठगने का काम करती थीं।

आरोपी निवेशकों को कॉल सेंटर के जरिए संपर्क करके धोखा देते थे। इस काम में सैकड़ों लोगों के अकाउंट नंबर का इस्तेमाल किया जाता था। इन लोगों को भी आरोपी कमीशन देते थे।

पुलिस का कहना है कि, प्रथम दृष्ट्या ऐसा लगता है कि, यह पैसा चीनी कंपनी को भेजा जाता था। पुलिस मामले में छानबीन कर रही है।

आरक्षण जरूरी है- एनएचआरसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने कहा, 'आरक्षण का लाभ समाज के सबसे निचले तबके तक नहीं पहुंचा है।' एनएचआरसी के स्थापना दिवस पर अपने संबोधन में न्यायमूर्ति मिश्रा ने कारागारों की स्थिति में तत्काल सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा, समाज के वंचित वर्गों के सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक उत्थान के लिए कई कदम उठाए गए हैं। अभी और सकारात्मक कार्रवाई किए जाने की जरूरत है। एनएचआरसी प्रमुख ने कहा कि, भारत में हालांकि कई सामाजिक-आर्थिक कल्याणकारी योजनाएं हैं, 'लेकिन उत्थान के लिए आरक्षण जरूरी है।'

उन्होंने कहा, यह स्पष्ट करने का समय आ गया है कि, समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए उन वर्गों को भी आरक्षित श्रेणी के तहत आरक्षण मुहैया कराया जाए, जिन्हें अब तक यह सुविधा नहीं मिली है, क्योंकि आरक्षण का फायदा समाज के निचले तबके तक नहीं पहुंचा है। न्यायमूर्ति मिश्रा ने मानवाधिकारों से संबंधित कई अन्य मुद्दों पर भी बात की और कहा कि, लैंगिक समानता सभी के लिए जरूरी है।

नए नवादे अधिकारियों का दंश झेलता जिला, अब भी आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की प्रयोगशाला ही बना हुआ है

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

झाबुआ। जिले का यह इतिहास रहा है कि, यह जिला नए नवादे आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की प्रयोगशाला ही हमेशा बना रहता है। नए-नए अधिकारी जिले में आकर हमेशा ही नए-नए प्रयोग अपने हिसाब से करते आए है। नित नई योजनाएं नए अधिकारी जिले में लागू करते रहे है, लेकिन इन योजनाओं के परिणाम सिफर ही नजर आए है। नए अधिकारियों द्वारा लागू की गई योजनाएं समय के साथ-साथ गर्त में चली गई है। लेकिन इन योजनाओं से कभी जिले का फायदा नहीं हुआ। अधिकारियों के तबादले के बाद वह सारी योजनाएं जो जिले में प्रयोग की गई वह वर्तमान में गर्त में पहुंच चुकी है। इसका सीधा-सीधा नुकसान जिले की जनता ने ही भुगता है। अब यह पूरी तरह से स्पष्ट हो चुका है कि, झाबुआ जिला नए अधिकारियों की एक प्रयोग शाला ही है। नए आईएएस और आईपीएस जिले में आते ही नए-नए प्रयोग करने और प्रशिक्षण के तौर पर कार्य करने के लिए। यह जिला ऐसे दर्जनों एक्सप्रीमेंटों से गुजर चुका है। कई अधिकारियों की कार्यप्रणाली देख चुका है। झाबुआ जिले को प्रयोगशाला समझकर अधिकारी यहां से निकल कर अच्छे या बड़े जिले में स्थानांतरित कर दिए जाते रहे है। अच्छे और बुरे कामों को देखते हुए उन्हे यहां से रवाना कर दिया जाता रहा है। उदाहरणों की एक लंबी फहरिस्त है, लेकिन जिला अब ऐसे अधिकारियों की बदौलत जहां का तहां ही नजर आता है। झाबुआ जिले की गिनती अब भी प्रदेश में सबसे गरीब व अशिक्षित जिलों में नंबर एक या दो पर ही होती है। यह स्पष्ट है कि, इस स्थिति में सबसे ज्यादा नुकसान जिले की जनता का ही हुआ है। अगर जिले को कोई अनुभवि अधिकारी मिल भी जाता है तो स्थिति और खराब हो जाती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण पूर्व कलेक्टर सोमेश मिश्रा है, जिन्होने आदिवासी जिले को लूट-खसौट करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। मिश्रा के राज में हर तरह का भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा तक पहुंच चुका था। हर तरह के माफिया अपनी काली कमाई का हिस्सा मिश्रा तक पहुंचाते थे। और खुलकर जिले में काले कारनामों को अंजाम देते थे। पूर्व कलेक्टर सोमेश मिश्रा के स्थानांतरण के बाद यह उम्मीद की जा रही थी कि, जिले को एक अच्छा आईएएस अधिकारी मिलेगा, लेकिन नवागत कलेक्टर रजनीसिंह की कुछ दिनों की कार्यप्रणाली ने जिलेवासियों की उम्मीदों पर पानी फैर दिया है। कलेक्टर रजनीसिंह पहली बार कलेक्टर बनकर झाबुआ जिले में पदस्थ हुई है और यही कारण है कि, वे अपनी अनुभव हिनता को जाहिर करती हुई जिले में काम कर रही है। इसका उदाहरण कलेक्टोरेट के फेसबुक पेज पर की जाने वाली पोस्टों पर जिले की जनता द्वारा दी गई प्रतिक्रिया और कमेंट है। यह अलग मुद्दा है कि, कलेक्टर साहिबा कहीं चापलूस अधिकारियों के मकडज़ाल में तो नहीं फंसी हुई है या फिर जिले की राजनीति का शिकार होते हुए वे इस तरह की अनुभवहिनता जाहिर कर रही है। कलेक्टर साहिबा की जिले में पोस्टिंग ऐसे वक्त में हुई है। जब जिले की राजनीति पूरी तरह से गर्माई हुई थी। नगरीय निकाय चुनाव के एन मौके पर नए नवेले और अनुभवहिन अधिकारियों को जिले की बागडोर सौंपना सरकार की कार्य प्रणाली पर भी प्रश्न चिन्ह खड़े करते नजर आ रही है। नगरीय निकाय चुनाव तो मानों जैसे-तैसे निपट गए लेकिन नगरपालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनाव को लेकर जैसे कलेक्टर साहिबा निर्णय ही नहीं ले पा रही है। कलेक्टर साहिबा द्वारा लगातार तारीखों में बदलाव किए जा रहे है। यह अब भी निश्चित नही है कि, अब तारीखें नही बदलेंगी। क्योंकि पिछले कुछ दिनों में नगरपालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष चुनाव को लेकर मेडम ने बहुत कम समय में तीन अपने ही फैसले को परिवर्तित कर दिया। इसके पीछे किसी अदृश्य शक्ति का होना एक अलग मुद्दा है। लेकिन कलेक्टर मेडम का अपना दृष्टिकोण और विवेक तो होगा ही जिससे वे अपने निर्णयों का सत्यापन कर सके। अगर ऐसा नही है तो यह तय है कि, कलेक्टर साहिबा अपनी अनुभवहिनता से जिले को गर्त के रसातल तक पहुंचा देंगी। जिले के सबसे बड़े अधिकारी का अपने विवेक से निर्णय न लेना पद की गरीमा को भी धुमिल ही करता नजर आएगा। मगर अधिकारियों का जिले में बतौर प्रयोगशाला में आना जिस तरह से रिकार्ड रहा है, उसी तरह से जिले की जनता का भी यह इतिहास रहा है कि, वह मेहनतकश है, मजबूत है और अपने वजूद के लिए लड़ सकती है, किसी अधिकारी के आने या जाने से उसे मानों कोई फर्क ही नहीं पड़ता, वे अपने व अपने परिवार के लिए लगातार संघर्ष करती रहती है। हां मगर अधिकारी अगर उनके हक को मारेंगे तो यह तय है कि, गरीब जनता की हला किसी को नही छोड़ती। इसलिए मशवरा यह है कि, चापलूस अधिकारियों के मकडज़ाल से बाहर आईए और राजनीतिक दबाव को तोड़कर जनता के लिए काम किजिए। अगर ऐसा होता है तो आपके काम वैसे ही याद किए जाएंगे जैसे पिछले कुछ अधिकारियों को जिले की जनता अब भी याद करती है। बाकी आपके विवेक पर निर्भर करता है... क्योंकि अधिकारियों का आना-जाना तो लगा ही रहता है...बाकी जो है सो तो है ही...।

नवागत कलेक्टर रंजनीसिंह एवं नवागत एसपी अगम जैन

इसी चुनावी माहौल में जिले में पुलिस कप्तान को भी बदला गया। नवागत एसपी अगम जैन सीधे राजभवन से जिला पुलिस कप्तान के रूप में झाबुआ पदस्थ हुए। पदभार ग्रहण करने के बाद इनसे भी जिले की जनता को खासी उम्मीदें थी, लेकिन जैन साहब उस तरह से एक्शन में नहीं दिखाई दिए जैसा कि, एक आईपीएस अधिकारी को दिखाई देना चाहिए था। जिले में भूतपूर्व पुलिस कप्तानों की भी लंबी फहरिस्त है जिसमें अच्छे-बुरे सभी शामिल है। मगर याद सिर्फ वही किए जाते है जो जनता के लिए काम करते है। जिला अब भी माफियाओं का गढ़ है। हर तरह की माफियागिरी यहां प्रचलित है। शराब माफिया यहां पूरी तरह से पैर पसारे हुए है। इसके अलावा कई अवैध करोबार जैसे डीजल माफिया, रेत माफिया, नकली डामर प्लांट, नशे का कारोबार, जुआ और सट्टा जिले में चरम सीमा पर अब भी लगातार जारी है। पुलिस कप्तान अगम जैंन की आमद के बाद पिछले दिनों में ऐसी कोई बड़ी हलचल अब तक देखने को नहीं मिली जो जैन साहब की कार्यप्रणाली को स्पष्ट कर सके। सारे अवैध कारोबार अब भी पूर्ववत चल रहे है। हां, मगर साहब के कार्यालय से छुट-पुट कार्यावाही के जारी प्रेसनोट मीडीया में अपनी जगह बना रहे है। हकीकत से कोसों दूर साहब की यह छुट-पुट कार्यवाही ''मूत में मछली मारने'' वाली ही साबित हो रही है। चूंकि जिला प्रदेश का सीमावर्ती जिला है और दो राज्यों की सीमाओं से लगा हुआ है तो यहां बड़े पैमाने पर शराब व अन्य नशीलें पदार्थो की अवैध सप्लाई लगातार बनी रहती है। हर तरह की तस्करी बड़े पैमाने पर जिले में होती है। लगभग 11 लाख आबादी वाले जिले में अरबों रुपये के शराब ठेके होते है, इससे यह नहीं माना जा सकता है कि, जिले की जनता शराब का सेवन ज्यादा करती है, तो फिर यह स्पष्ट है कि, शराब माफिया अवैध रूप से अन्य राज्यों में शराब का परिवहन करते है। अब एसपी अगम जैन की छुट-पुट कार्रवाई तो ऐसी है मानों समंदर से लौटा भर लिया गया हो। या फिर जैन साहब की भी वही पॉलिसी है कि, कागजों पर रिकार्ड मेंटेन होते रहना चाहिए। बाकि तो जो है सो है ही...।

वैसे भी यह जिला पूर्व में कई ऐसे आईपीएस अधिकारी देख चुका है जो जिले को प्रयोगशाला समझकर कार्य करते थे। कुछ ने अच्छे कार्य किए तो कुछ बिना पहचान बनाए ही इस जिले से रूखसत हो लिए। अब देखने वाली बात यह होगी कि, अगम जैन अपनी अलग छवि बनाएंगे या फिर वे भी पूर्ववत उन अधिकारियों की तरह गुमनाम समय बिताकर जिले से रवाना होंगे। हालांकि अभी बहुत समय नहीं गुजरा है, उम्मीद है कि, पुलिस कप्तान जैन की तरफ से कुछ जिले को अच्छा देखने को मिलेगा।

अतिथि शिक्षक संघ ने अपनी मांगों को लेकर राजधानी में किया अपना शक्ति प्रर्दशन

शांतिपूर्ण माहौल में किया सरकार का ध्यानाकर्षण

माही की गूंज भोपाल। विजय पाटीदार

मध्यप्रदेश की राजनीति के केंद्र भोपाल शहर के नीलम पार्क जहांगीराबाद में बुधवार को आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ के बेनर तले प्रदेश के समस्त अतिथि शिक्षकों ने एकत्रित होकर सरकार का अपनी मांगों के प्रति ध्यान आकर्षित किया। उक्त कार्यक्रम 9 व 10 अक्टूबर को प्रस्तावित था। लेकिन प्रधानमंत्री कं उज्जैन आगमन के चलते इसे 12 अक्टूबर को आयोजित किया गया। पूरे कार्यक्रम का संचालन महिला अतिथि शिक्षिकाओं ने किया व प्रदेश के महिला प्रकोष्ठ की सभी महिला पदाधिकारी मंचासीन थी। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में अतिथि शिक्षक-शिक्षिकाओं का हुजूम उमड़ा ओर अपनी जायज मागो को सरकार के समक्ष रखा। प्रदेश के समस्त जिलाध्यक्षों ने कार्यक्रम में अपने-अपने व्यक्तव्य दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत के साथ सुबह 9 बजे से शुरू होकर 3 बजे तक चला। इस बीच 'आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ जिंदाबाद, भारत माता की जय, 'आज करो कल करो हमको परमानेंट करो' आदि नारे लगाए गए। कार्यक्रम के समापन पर स्थानीय टीआई को आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ की महिला पदधियारियों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम ज्ञापन दिया। साथ ही व्यवस्था संभाल रहे पुलिस कर्मियो को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सामुहिक रूप से दिया अवकाश का आवेदन

प्रदेश के समस्त अतिथि शिक्षकों ने सामूहिक रूप से अपने-अपने संस्था प्रभारी को 12 अक्टूबर के लिए अवकाश हेतु आवेदन दिया। अनुमानित आंकड़े के अनुसार भोपाल में करीब 10 हजार की संख्या में अतिथि शिक्षकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर सरकार को अपने संख्याबल का अनुभव करवाया।

ये रही मांगे - आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ ने कार्यक्रम के द्वारा सरकार के समक्ष अपनी जायज मांगो को रखा। जिसमे अतिथि शिक्षकों का गुरुजी की तर्ज पर नियमितीकरण, विभागीय परीक्षा लेकर नियमित किया जाये। वर्तमान में त्वरित रूप से अतिथि शिक्षकों के वेतन को दोगुना किया जाए आदि मांगो को सरकार के समक्ष रखा गया।

दीपावली आई लेकिन दीपक खरीदने के भी पैसे नहीं

वर्तमान में अतिथि शिक्षकों के वेतन की बात की जाए तो जनजातीय विभाग के अंतर्गत आने वाले जिलो में खासकर झाबुआ, अलीराजपुर में अभी तक अतिथि शिक्षकों को वेतन नही दिया गया है। कुछ अतिथियों ने बताया कि, उन्होंने विभाग के जारी आदेश अनुसार ही 21 जुलाई से अपनी-अपनी संस्था को जॉइन कर लिया था। क्योंकि वह पिछले वर्ष भी उसी संस्था में कार्यरत थे। लेकिन संकुल के बाबू बता रहे के की वेतन 1 अगस्त से ही डलेगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि, आखिर क्या कारण बताकर जनजाति विभाग के अधिकारी अतिथि शिक्षकों का 10 दिन का वेतन काटते है।

नगरपालिका अध्यक्ष-उपाध्यक्ष की दावेदारियां, स्थितियां अब भी स्पष्ट नहीं

आखरी तारीखों में खुल सकता है राज या 16 से 19 के बीच ही होगा फैसला...?

माही की गूंज, झाबुआ। मुज्जमिल मंसुरी

जिले की तीन नगर परिषदों और एक नगरपालिका में निकाय चुनाव संपन्न हो चुके है। अब बारी है अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की जिसको लेकर लगभग सभी जगह गहमा-गहमी बनी हुई है। हालांकि जिले की सभी नगरीय निकायों में भाजपा की परिषद बनने के आसार नजर आ रहे है। चूंकि इस बार अध्यक्ष पद का चुनाव सीधे तौर पर न होते हुए निर्वाचित पार्षदों द्वारा अपने बीच से ही अध्यक्ष का चुनाव करना है। यही कारण है कि, इस बार पार्षद जैसे छोटे चुनावों में भी दिग्गजों की भरमार रही है। इसका कारण यह भी है कि, अब अध्यक्ष पद का रास्ता पार्षद पद से होकर ही गुजर रहा है। जिसके कारण इस बार कई दिग्गजों ने पार्षद जैसे छोटे चुनावों में मुंह की खाई है। अब जितने पार्षद जीतकर परिषद या नगरपालिका में पहुंचे है उनके बीच अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को लेकर रस्साकसी शुरू हो चुकी है। हालांकि अभी पार्टियों की ओर से अध्यक्ष या उपाध्यक्ष पद को लेकर किसी भी प्रत्याशी की अधिकृत घोषणा नहीं की गई है, माहौल अब तक गहमा-गहमी वाला ही नजर आ रहा है। जो लोग अध्यक्ष पद की दावेदारी के लिए सुगबुगाहट कर रहे है उनकी संख्या भी अधिक है। मतलब सीधा सा है कि, एक ही पार्टी के कई दावेदार अध्यक्ष पद के लिए दौड़ शामिल में है। अध्यक्ष पद को लेकर स्थितियां ऐसी बन रही है कि, यहां बगावत का होना भी तय ही माना जा रहा है, यही स्थिति उपाध्यक्ष पद के लिए भी बनती नजर आ रही है। कुल मिलाकर अभी पूरा महौल गहमा-गहमी वाला ही नजर आ रहा है। स्थितियां स्पष्ट नहीं हो पा रही है। राजनीति में रूची रखने वालों के अनुसार अध्यक्ष पद के चुनावों को लेकर आखिरी तारीखों में ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। जिला मुख्यालय की नगरपालिका पर सभी की नजरें टीकी हुई है। 16 अक्टूबर को प्रशासन ने नगरपालिका के चुने हुए पार्षदों का प्रथम सम्मेलन बुलवाया है। इसी नगरपालिका के प्रथम सम्मेलन में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होना है। 30 सितम्बर को चुनावी परिणाम सामने आने के बाद स्थिति कुछ यूं है कि नगरपालिका में 9 पार्षद भाजपा, 7 पार्षद कांग्रेस और दो पार्षद निर्दलीय के रूप में विजयी होकर नगरपालिका में पहुंच चुके है। यहां बोर्ड बनाने को लेकर दोनों ही दलों में घमासान देखने को मिल सकता है, लेकिन भाजपा बोर्ड बनाने के करीब नजर आ रही है। यहां भाजपा को सिर्फ एक ही पार्षद की आवश्यकता है। इधर कांग्रेस अपने 7 पार्षदों के साथ नगरपालिका में पहुंची है लेकिन कांग्रेस को बोर्ड बनाने के लिए तीन पार्षदों की आवश्यता है और यह नामुमकिन सा नजर आ रहा है। जो दो निर्दलीय पार्षद नगरपालिका में विजयी होकर पहुंचे है अब वे तय करेंगे कि, ऊंट किस करवट बैठे। हालांकि दोनों ही निर्दलियों को भाजपा अपना ही बता रही है। चूंकि वार्ड क्रमांक 6 से जो निर्दलीय प्रत्याशी जीत कर आए है, वह भाजपा के ही बागी थे। पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के सामने निर्दलीय चुनाव लड़कर पार्टी को ही धूल चटाई थी। इधर वार्ड क्रमांक 5 के निर्दलीय प्रत्याशी अपनी साफ-सुथरी छवि के कारण दोनों ही दलों को पटखनी देने में कामयाब रहे। मगर अब अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए इनकी स्थिति कसमकस वाली दिखाई दे रही है। इनके लिए यह भी माना जा रहा है कि, जिधर बहुमत उधर हम। कुल मिलाकर यहां नगरपालिका में भाजपा का बोर्ड बनता दिखाई दे रहा है।

तीन दावेदारों में कौन होगा सिरमोर

बसंती बारिया।

पर्वत मकवाना।

कविता सिंगाड़।

नगरपालिका झाबुआ में अध्यक्ष पद को लेकर भाजपा स्पष्ट बोर्ड बनाती दिखाई दे रही है, लेकिन यहां भाजपा से विजयी होकर नगरपालिका पहुंचे दिग्गजों की संख्या भी अधिक है। भाजपा खेमें से ही तीन दावेदार अब तक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे है। प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में भी इन्ही तीन नामों को लेकर कसमकस बनी हुई है। अध्यक्ष पद के तीन दावेदारों में दो पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष है तो तीसरा नया चेहरा भाजपा से ही दावेदारी करता नजर आ रहा है। अध्यक्ष पद के तीनों दावेदारों में पहला नाम बसंती धनसिंह बारिया का है जो वार्ड क्रमांक 13 से विजय होकर नगरपालिका में पहुंची है। पिछली कांग्रेस परिषद के पहले वाली परिषद में बसंती बारिया के पति धनसिंह बारिया नगरपालिका अध्यक्ष रह चुके है। इनके कार्यकाल में कई बड़े कार्य नगर में हुए तो कई कार्यों में भ्रष्टाचार के संगीत आरोप भी इन पर लगे थे। इसके बाद दूसरा नाम अध्यक्ष पद के लिए पर्वत मकवाना का माना जा रहा है जो वार्ड क्रमांक 16 से विजयी होकर नगरपालिका में बतौर पार्षद पहुंचे है। पर्वत मकवाना पहले भी नगरपालिका अध्यक्ष रह चुके है। इनका कार्यकाल भी विवादों और भ्रष्टाचार के बड़े मामलों से भरा पड़ा है। इनके ही कार्यकाल में नगरपालिका का सबसे बड़ा घोटाला झूला-चकरी कांड हुआ था। इसके अलावा अध्यक्ष पद की दावेदारी में तीसरा नाम वार्ड क्रमांक 14 से विजयी होकर नगरपालिका में पहुंची कविता शैलेन्द्र सिंगाड़ है। कविता सिंगाड़ शैलेन्द्र सिंगाड़ की धर्मपत्नी है, शैलेन्द्र सिंगाड़ भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता माने जाते है। यह पहला अवसर था कि, वे सक्रिय राजनीति में अपनी पकड़ बनाते हुए पार्षद पद के लिए अपने वार्ड से अपनी पत्नी कविता सिंगाड़ को विजयश्री दिलाने में कामयाब रहे। यहां यह बताना भी जरूरी है कि, इनकी जीत का अंतर काफी बड़ा रहा है। इन्होने कांग्रेस को सीधे तौर पर बड़ी मात दी है। नगरपालिका अध्यक्ष के लिए इनकी दावेदारी कितनी सफल होती है यह तो अभी भविष्य के गर्त में है। 16 अक्टूबर को ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

लाखनसिंह सौलंकी।

विजय चौहान।

उपाध्यक्ष की लड़ाई भी पेंचीदा

इधर उपाध्यक्ष पद को लेकर भी स्थितियां साफ नहीं है। चूंकि नगरपालिका अध्यक्ष पद आरक्षित पद है तो यह माना जा रहा है कि, उपाध्यक्ष सामान्य का होगा। जैसा कि, पहले भी होता आया है। मगर यहां भी दावेदार अधिक माने जा रहे है। भाजपा खेमें से ही कई नाम शहर में चर्चाओं का विषय बने हुए है। इसके अलावा कांग्रेस भी यह चाहेगी कि, उपाध्यक्ष उनका बने। चौराहों की चर्चा के अनुसार स्थिति यह भी बन सकती है कि, जिस तरह से झाबुआ जनपद में राजनीतिक खेल किया गया। उसी तरह से नगरपालिका में भी खेल होने की संभावनाएं है और अगर ऐसा होता है तो यह तय है कि, अध्यक्ष भाजपा का तो उपाध्यक्ष कांग्रेस का बन जाएगा। अब यह और बात है कि, दोनों ही राजनीतिक दल किस तरह का सामंजस्य बिठाते है। या फिर यह भी हो सकता है कि, झाबुआ नगरपालिका में कांग्रेस के हत्थे कुछ ना लगे। इधर भाजपा खेमें में उपाध्यक्ष पद के लिए तो नाम चर्चाओं का विषय बने हुए है वह मुख्य रूप से तो दो ही है, लेकिन यहां भी तीसरे नाम की संभावनाएं जताई जा रही है। जो दो नाम मुख्य रूप से नगर में चर्चाओं का विषय बने हुए है। उसमें पहला नाम लाखनसिंह सौलंकी का है। सौलंकी वार्ड क्रमांक 9 से भाजपा प्रत्याशी के रूप में विजयी होकर नगरपालिका तक पहुंचे है। सौलंकी हर तरह से सक्षम माने जा रहे है। यूं तो यह नाम झाबुआ की राजनीति में हमेशा रहा है, लेकिन कभी खुलकर सामने नहीं आया। यह पहला मौका था जब सौलंकी पार्षद का चुनाव लड़कर विजयी हुए और नगरपालिका में अपनी जगह बनाते हुए उपाध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे आकर खड़े हो गए। इनका कुशल व्यवहार इनकी जीत का कारण बना है और अब उपाध्यक्ष पद की लड़ाई में भी यही माना जा रहा है कि, सौलंकी बाजी मार सकते है।

भाजपा खेमे से ही उपाध्यक्ष की दौड़ में दूसरा मुख्य नाम विजय चौहान का है। चौहान वार्ड 8 से पार्षद के रूप में अपने नाम के अनुसार बड़ी विजय प्राप्त करते हुए नगरपालिका तक पहुंचे है। नगरपालिका उपाध्यक्ष की दावेदारी में इनका पक्ष इसलिए भी मजबूत माना जा रहा है कि, चौहान पहले भी नगरपालिका उपाध्यक्ष रह चुके है। भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता रहे विजय हमेशा पार्टी के कार्यों में अग्रसर रहे है। चौहान की मिलनसारिता और कुशल व्यवहार उनका सारथी रहा और वे एक बड़ी जीत हासिल करने में कामयाब रहे है। उपाध्यक्ष की दावेदारी भी मजबूत मानी जा रही है। लेकिन भाजपा से ही दो उपाध्यक्ष दावेदार होने के चलते स्थिति कसमकस वाली दिखाई दे रही है। इसी दौड़ में तीसरे नाम की भी सुगबुगाहट सामने आ रही है। वह नाम है वार्ड 10 से विजय हुए रिटायर्ड इंजीनियर महेन्द्रसिंह तिवारी, यहां तिवारी की राजनीतिक पृष्टभूमि काफी अच्छी है। वे लंबे समय से भाजपा में कार्यालय मंत्री के तौर पर कार्य करते रहे है। इस बार पार्षद का चुनाव लड़कर जीत हासिल की और नगरपालिका में अपनी सीट पक्की कर चुके है, मगर उपाध्यक्ष पद के लिए इनकी दावेदारी कितनी सफल होती है यह समय के गर्त में है। हालांकि दो मजबूत उपाध्यक्ष दावेदारों के बीच दावेदारी करना टेड़ी खीर ही साबित होगा। तमाम कसमकस और दावेदारियों के बीच अभी घमासान मचा हुआ है। स्थितियां आम जनता के लिए बिल्कुल भी स्पष्ट नहीं है। कयासों का दौर लगातार अब भी जारी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना भी यही है कि आखिरी तारीखों में ही स्थिति स्पष्ट होगी। पार्टी भी अध्यक्ष के दावेदार का नाम अधिकृत प्रत्याशी के रूप में अब तक घोषित नहीं कर पाई है। पार्टी में असमंजस की स्थिति इसलिए भी हो सकती है कि तीनों ही अध्यक्ष पद के दावेदार मजबूत स्थिति में दिखाई दे रहे है। निर्दलियों की स्थिति भी स्पष्ट नही कि वे तीन में से किसके साथ है। निर्दलियों के साथ फोटो खिंचाकर हर कोई अपनी ओर होने का दावा सोशल मीडिया पर कर रहा है। नगरपालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के चुनावों को लेकर राजनीति तो गर्म है, लेकिन स्थितियां स्पष्ट नहीं हो पा रही है। प्रशासन भी इन चुनावों को लेकर बौखलाहट में नजर आ रहा है। खैर जो भी हो लेकिन 16 से 19 अक्टूबर तक सारे राज खुल जाएंगे, स्थितियां स्पष्ट हो जाएगी। कुछ दिनों का इंतजार और है, यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि ऊंट किस करवट बैठेगा...।

नगर परिषद अध्यक्ष को लेकर भाजपा में नही बन पा रही एक राय, अंतिम समय में होगा निर्णय

चुनाव की तारीख बार-बार बदले जाने से कलेक्टर की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर परिषद पेटलावद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव को लेकर फसी हुई है। भाजपा के पास अध्यक्ष के लिए दो वार्ड 7 ओर 13 है, जिंसमे से अध्यक्ष का बनना तय है, लेकिन भाजपा की स्थिति अभी भी असमंजस में है। जहां इस पद के लिए अंतिम निर्णय तक नही पहुँच सकी है। वार्ड 7 से जीती ललिता योगेश गामड़ अध्यक्ष पद की मुख्य देवेदार थी, लेकिन नगर परिषद के चार एसटी वार्ड में वार्ड 13 में जमना भूरा को मिली जीत के बाद दोनों के बीच अध्यक्ष पद की खींचतान शुरू हो गई है। दोनों दावेदारों की और लॉबिंग की जा रही है, जिससे भाजपा में एक राय नही बन पा रही है और अंतिम समय ही अब पार्टी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर पार्षद को अधिकृत करेगी ताकि किसी को नाराज़ होने व लॉबिंग करने का मौका नही मिले।

ललिता योगेश के पक्ष में जनता

भाजपा अगर अपने अध्यक्ष के लिए आम जनता से सर्वे करे तो वार्ड 7 से जीती शिक्षित ललिता योगेश गामड़ को 90 प्रतिशत जनता का समर्थन मिलेगा। लेकिन राजनीति लाभ-हानि की गणित के चक्कर मे ललिता गामड़ को रोकने के हर सम्भव प्रयास किये जा रहे है। ललिता गामड़ के पति योगेश गामड़ जो कि, भाजपा के पुराने नेता रहे बाबूलाल गामड़ के पुत्र है। वर्तमान में इनका भाई सचिन गामड़ आदिवासी संगठन के लिए सक्रिय होकर पूर्व में 2018 में बिटीबी से विधायक का चुनाव लड़ चुके है और 2023 में भी मैदान में होंगे। भाजपा की और से मैदान में उतरने वाले प्रत्याशीयो को डर सता रहा है कही ललिता गामड़ के अध्यक्ष पद पर बैठने का लाभ इनके देवर को न मिल जाये। साथ ही विधानसभा के दावेदारों को डर है कि, भाजपा परिवार को तोड़ने के चक्कर मे अध्यक्ष के पति योगेश गामड़ को टिकिट न दे दे। इसलिए लगातार विधानसभा के देवेदार ओर उनके समर्थक अध्यक्ष पद के लिए ललिता गामड़ का विरोध कर रहे है।

सूत्र बताते है कि, भाजपा ललिता गामड़ को अपना प्रत्याशी नही बनाती तो भाजपा में फूट के आसार है और निर्दलीय जीते पार्षद उपाध्यक्ष के चक्कर मे इनके समर्थन में उतर सकते है।

जमना भूरा मुनिया के पक्ष में भाजपा नेता

वार्ड नम्बर 13 से जीती जमना मुनिया के जीत के सूत्रधार रहे नीलेश मीणा और जिला मंत्री दुर्गादास मोटापाला के साथ नगर के कई पुराने नेता जमना मुनिया को अध्यक्ष बना कर अपनी खोई हुई जमीन बचाने के चक्कर मे है। जिसके लिए पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्रसिंह मोटापाला के माध्यम से भोपाल तक की लॉबिंग की जा रही है। जहां नगर की जनता ललिता के पक्ष में तो भाजपा नेताओं की बड़ी लाबी जमना मुनिया के लिए लगी हुई है ।

उपाध्यक्ष के लिए भी जोड़-तोड़

अध्यक्ष पर भाजपा निर्णय करने में इसलिए भी पीछे रह रही है, क्योकि यहां मामला अध्यक्ष से ज्यादा उपाध्यक्ष को लेकर उलझा हुआ है। यहां उपाध्यक्ष के लिए चार से पांच नाम सामने आ रहे है, जिनको लेकर चर्चा की जा रही है। अध्यक्ष के नाम का भी लगातार आगे-पीछे होना कही न कही उपाध्यक्ष पद की दावेदारी के दबाव में हो रहा है। भाजपा आगामी विधानसभा को देखते हुए समाजिक समीकरण साधने की तैयारी में दिख रही है। यहां जैन समाज और सिर्वी समाज को लेकर चर्चाओ का बाज़ार गर्म है, अगर पार्टी अनुभव और समर्पण को तवज्जो देती है तो किरण कहार उपाध्यक्ष बनना तय है। लेकिन समाजिक समीकरण को महत्व देती है तो जैन और सिर्वी समाज मे से किसी को मौका मिल सकता है।

कलेक्टर की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

प्रशासनिक स्तर पर जिले की एक नगर पालिका झाबुआ ओर तीन नगर परिषद पेटलावद ,थांदला, राणापुर में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के होने वाले चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। यहां नवागत जिला कलेक्टर रोशनी सिंह ने चुनाव की तारीख बार-बार बदले जाने से उनकी कार्यप्रणाली पर उठे सवाल उठ रहे है। जिला कलेक्टर अब तक तीन बार चुनाव की तारीखों में परिवर्तन कर चुकी है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि, सत्तापक्षीय दबाव के चलते जिला कलेक्टर तीन बार चुनाव की तारीखों में परिवर्तन कर चुकी हैं। पहले 18 अक्टूम्बर को चारो स्थान पर चुनाव की घोषणा की गई, इसके बाद परिवर्तन कर चुनाव को 17 ओर 18 अक्टूबर दो भागों में बाटा गया और फिर चार स्थानों के लिए अलग-अलग तारीख दी गई। जिसमें 16 अक्टूबर को झाबुआ, 17 को पेटलावद ,18 को थांदला ओर 19 अक्टूबर को राणापुर की तारीख तय की गई है।

बताया जा रहा है, तारीख परिवर्तन के पीछे सत्ता का दबाव था। एक साथ चुनाव की स्थिति में भाजपा को एक-दो परिषद खोने का डर सता रहा था। इसलिए पूरी भाजपा के बड़े नेता एक दिन में एक स्थान पर मौजूद होकर चुनाव सम्पन्न करवा सके और भाजपा के जीते हुए पार्षद नियंत्रण में रहे। इसलिए चुनाव को एक साथ करवाने की बजाए अलग-अलग तारीखों में करवाने का निर्णय लिया गया और उसी निर्णय के चलते नए कलेक्टर को अपने ही आदेश में दो बार संसोधन करना पड़ा है।

जनजाति विकास मंच पेटलावद ने आयोजित किया मातृशक्ति सम्मेलन

रानी दुर्गावती का जीवन चरित्र हमें पढ़ना चाहिए, ताकि मातृशक्ति के अंदर साहस उत्पन्न हो सकें-राज्यमंत्री सोनम निनामा

माही की गूंज, पेटलावद।

स्थानीय बामनिया रोड सुंदर गार्डन में जनजाति विकास मंच पेटलावद द्वारा खण्ड स्तरीय मातृशक्ति सम्मेलन आयोजित किया। जिसमें पेटलावद खण्ड की 100 से अधिक माता-बहनें उपस्थित हुई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में म.प्र. बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त श्रीमती सोनम निनामा उपस्थित हुई। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि, आजादी से लेकर समाज सुधार तक महिलाओं का योगदान समाज में अहम है। मातृशक्ति चाहे तो सब कुछ कर सकती है, एक जनजातीय महिला राष्ट्रपति पद तक पहुंच सकती है, तो हम भी कम नहीं है। हम यदि एक बार संकल्प लेकर चले तो समाज में नशा मुक्ति, व्यसन मुक्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं महिला जनजागरण में अहम भूमिका अदा कर सकते हैं, नारी अबला नहीं सबला है।

तत्पश्चात श्रीमती सुनीता दीदी सेवा भारती प्रांत किशोर विकास प्रमुख द्वारा उद्बोधन दिया गया। उन्होंने कहा कि, झाबुआ, अलीराजपुर, रतलाम आदि जनजातीय क्षेत्र की छात्राएं उज्जैन, इंदौर तथा अन्य कई जगहों पर सेवा भारती द्वारा संचालित छात्रावासों में अध्ययनरत है। हमारा लक्ष्य है कि, निर्धन छात्राएं हमारे छात्रावासों में पढ़ने के बाद एक अच्छे मुकाम पर जाएं। हमारा सपना है कि, हमारी छात्राओं में से पढ़कर बहनें शासकीय सेवक के रूप में कार्य करें हम इस दिशा में प्रयत्नशील हैं।

स्वयं सहायता समूह की दीदी श्रीमती जैमा बारिया द्वारा अपने क्षेत्र की महिलाओं की समस्याएं एवं कमजोरियां क्या-क्या है, इस पर प्रकाश डाला और उन्होंने बताया कि, मैं एक अशिक्षित महिला होकर भी आजीविका मिशन जैसी संस्था में एक सम्मानजनक पद पर कार्यरत हूं, तो आप भी प्रयास करें तो खुद आगे बढ़ सकते हैं। महिलाओं को कभी कमजोर नहीं समझना चाहिए, महिला को रानी दुर्गावती, रानी लक्ष्मी बाई जैसी वीरांगनाओं के जीवन चरित्र को पढ़कर और सुनकर बहुत कुछ करने का साहस उत्पन्न होता है।

जनजातीय कार्य रतलाम विभाग के कार्य प्रमुख राजेश डावर ने अपने उद्बोधन में बताया कि, परंपरा, संस्कृति, रीति-रिवाज, पहनावा आदि समाज की नई पीढ़ी भूलती जा रही है, जो हमारे समाज के पहचान के लिए घातक है। हमारा समाज जिस नाते जाना जाता है, वह है हमारी संस्कृति, रिती-रिवाज, परंपरा, बोली इनको हमें जीवित रखने के लिए महिलाओं को जागृत होकर घर-परिवार में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आजकल थोड़ा बहुत बच्चा पढ़-लिख जाता है, तो अपनी बोली, पहनावा और परंपराओं को हीनभावना से देखना प्रारंभ कर देता है, लेकिन यह समाज के हित में नहीं है। इसलिए जागरूक होकर समाज में महिलाओं की भी भूमिका होना चाहिए, ताकि समाज को सही दिशा मिल सके। कार्यक्रम में विशेष रूप से सेवा भारती के प्रांत संगठन मंत्री रूपसिंह नागर, पार्षद श्रीमती ममता गुजराती, जनजाति सुरक्षा मंच के प्रदेश सह संयोजक खेमसिंह जमरा, सह जिला संयोजक संजय मखोड़, युवा कार्यकर्ता गौरसिंह कटारा, अमरसिंह सोलंकी, कोमल निनामा, जनपद सदस्य सोहन डामर, प्रकाश पारगी, राजेश मैडा, आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन खण्ड संयोजक सुरसिंह मीणा ने किया। आभार पेटलावद नगर संयोजक कांतिलाल डामर ने माना।

जनसेवा शिविर सम्पन्न

माही की गूंज, काकनवानी। मुख्यमंत्री जनसेवा निवारण शिविर लगाया गया। जिसमें शिविर के पूर्व में सभी जन कल्याणकारी योजना के अंतर्गत जमा किये गए आवेदन, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना, विधवा पेंशन योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, स्वच्छ भारत मिशन योजना के अंतर्गत शौचालय एवं कई योजनाओं में ग्रामीणों से लिए गए थे, जिनका निवारण बुधवार को शिविर के माध्यम से किया गया। प्रत्येक योजना के अनुसार सैकड़ों फॉर्म जमा किए गए थे, जिनमें से 15 से 20 फॉर्म का ही निवारण हो पाया। अभी सैकड़ों आवेदन लंबित पड़े हुए हैं, जिनका निवारण होना शेष है। शिविर में सरपंच शांताबाई निनामा, सहायक मंत्री भंवर सिंह एवं भाजपा मंडल उपाध्यक्ष बाबू निनामा, बिजिया बारिया के साथ सभी पंच एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाईन पर शिकायत के बाद मेडम के बोलवचन, हलवा है क्या जो बना कर दे दूं...

बिना निराकरण के ही जनपद में शिकायत वापस लेने के लिए बनाया जाता है दबाव

माही की गूंज, पेटलावद/करवड़।

ग्राम पंचायत करवड़ में रोजगार सहायक द्वारा की गई भारी अनियमितताओ को उजागर करने के लिए ग्राम पंचायत से सूचना के अधिकार अधिनियम के माध्यम से जानकारी चाही गई थी। जानकारी के नाम पर गुमराह करने वाले रोजगार सहायक के विरुद्ध पवन सिनम द्वारा सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत की गई थी। जिसका निराकरण नीचे स्तर से नही किया गया। बात आगे बढ़ी तो स्थानीय स्तर पर शिकायत के निराकरण कर बन्द करने का दबाव पड़ा। यहां जनपद पेटलावद का चार्ज संभाल रही, सारंगी क्षेत्र की नायाब तहसीलदार अंसारी मेडम ने मंगलवार को शिकायतकर्ता को शिकायत के निराकरण के लिए जनपद कार्यालय में बुलाकर बिना किसी निराकरण के शिकायत बन्द करने के लिए दबाव बनाया गया। जब शिकायतकर्ता ने ग्राम पंचायत से मांगी गई जानकारी मिलने पर शिकायत तुरंत बंद करने को कहा तो, मेडम आवेश में आकर शिकायतकर्ता पर ही भड़क गई और कहने लगी कि हलवा है जो बना कर दे दु तुम शिकायत वापस ले लो में जानकारी दिलवा दुगी। शिकायतकर्ता पंकज सिनम प्रभारी जनपद सीईओ का रुख देख कर वापस लौट गया।

क्या है मामला

करवड़ निवासी ने सुचना के अधिकार के अन्तर्गत 27 जुलाई को जाबकार्ड धारियों की मस्टर की प्रतिलिपि मागी गई थी, परन्तु सचिव द्वारा उक्त समयावधि 30 दिन पूर्ण होने के बाद मुझे लिखित लेटर दिया, जिसमे सचिव द्वारा कहा गया कि, उक्त जानकारी पोर्टल से प्राप्त होगी, पंचायत से उक्त जानकारी नही मिलेगी। पोर्टल पर भी लॉगिन करने हेतु आईडी व पासवर्ड की आवश्यकता होती है जो की ग्राम पंचायत करवड के पास होकर मेरे द्वारा मांगी गई, जानकारी अभी तक प्राप्त नहीं हुई।

पंकज सिनम का कहना है कि, जॉबकार्ड जो कर्मचारी के नाम पर सहायक सचिव के द्वारा बनाया गया है व इनकी हाजरी भर इनके खाते मे बिना मजदुरी के ही भुगतान कर दिया गया है। वही सहायक सचिव के द्वारा शिकायतकर्ता का बना हुआ जाबकार्ड बंद करवा दिया। मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाईन पर की गई थी, जिसका निराकरण नही किया जा रहा।

नायब तहसीलदार हो कर भी नही कर पा रही न्याय

यू तो जनपद पेटलावद में नए सीईओ की नियुक्ति हो चुकी है। देवास जिले से सीईओ दीक्षित जल्द ही जनपद पेटलावद का चार्ज संभालेगे, लेकिन पूर्व सीईओ अमित व्यास की रवानगी के बाद से जनपद पेटलावद का एडिशनल चार्ज सम्भाल रही नायाब तहसीलदार अंसारी मेडम इस पद के साथ कोई न्याय नही कर सकी। उनके छोटे से कार्यकाल में कोई बड़ी कर्रवाई, लम्बित शिकायतो पर नहीं हुई। जबकि नायाब तहसीलदार शिकायतो पर कार्रवाई करने के लिए जानी जाती है। कहा जा रहा है, उनके क्षेत्र से बाहर मिले कार्य को वो समझ नही पाई और ज्यादातर मामलों में जनपद में बैठे कर्मचारियों से राय लेती रही, जो पहले से ही भ्रष्ट सिस्टम का हिस्सा बने हुए है।

पुलिस की छापामार कार्यवाही में 2 लोगों से पकड़ी हाथ भट्टी शराब

माही की गूंज, थांदला।

पुलिस द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत अवैध शराब बनाने वालों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। जहां 4 दिन पहले वागड़िया फलिया में बड़ी कार्यवाही की गई थी। तो उसके बाद मंगलवार को नगर के राजापुरा में कार्यवाही कर दो लोगों से 28 हजार रूपए की 140 लीटर अवैध हाथ भट्टी शराब पकड़ी है।

जानकारी देते हुए थांदला टीआई कौशल्या चौहान ने बताया कि, नशा मुक्ति अभियान के तहत थांदला कस्बे में लगातार अवैध मादक पदार्थों और शराब को लेकर कार्यवाही की जा रही है। मुखबिर से मिली सूचना की पुष्टि होने पर मंगलवार को राजापुरा में कार्यवाही कर 28 हजार रूपए की अवैध हाथ भट्टी मदिरा और बड़ी मात्रा में महुआ लहान बरामद किया गया है। साथ ही शराब बनाने का सामान भी पुलिस को मौके से मिला है। पहली कार्यवाही में राजापुरा निवासी खुशाल मगन खराड़ी (50 वर्ष) से 115 लीटर महुआ शराब और महुआ लहान पकड़ा गया। शराब की अनुमानित कीमत 23 हजार रूपए है। साथ ही मछलाईमाता निवासी रामचंद्र भूरजी वसुनिया (46 वर्ष) से 25 लीटर महुआ शराब पकड़ी गई है। जिसकी अनुमानित कीमत 5 हजार रूपए है। दोनों लोगों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (क) का मामला थांदला थाने में पंजीबद्ध किया गया है। इस कार्यवाही में निरीक्षक कौशल्या चौहान, उनि अशोक बघेल, कुंवर सिंह रावत, सउनि अमित सिंह बघेल, सूबेदार कमल, प्रआ महेन्द्र सहित पुलिस थाने के स्टॉफ का सराहनीय योगदान रहा।

सड़क निर्माण में किसानों के खेत से डाली जा रही मिट्टी, कई किसानों की पाईप लाईन क्षतिग्रस्त, मुआवजे की मांग

माही की गूंज, बनी।

मुख्यमंत्री योजना के अंतर्गत बन्नी-छापरी लागत 90 लाख से बन रही सड़क मार्ग से किसानों और ग्रामीणों में खुशी की लहर थी, मगर रोड ठेकेदार ने सभी की खुशियों पर पानी फेर दिया। मुख्यमंत्री योजना में बनने वाले रोड का ठेका आरएस कंस्ट्रक्शन कंपनी भोपाल ने लिया। ठेकेदार के द्वारा रोड का काम जल्दी करने और आर्थिक लाभ होने के चलते रोड की सीमा के बाहर किसानों के खेत से मिट्टी खोदकर रोड पर डाली जा रही है जिससे खुदाई के दौरान कई किसानों की पाईप लाईन क्षतिग्रस्त कर दी गई। बन्नी-छापरी मार्ग से कई किसानों को आर्थिक नुकसान उठाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है और सरकार को भी राजस्व की हानि हो रही है। अभी इस और ध्यान नहीं दिया गया, तो सरकार को लाखों रुपये के राजस्व की हानि ठेकेदार द्वारा पहुंचाई जा सकती है। संबंधित विभाग के इंजीनियर चौहान से जब इस बारे में बात की तो उनके द्वारा बताया गया कि, लाइन के बाहर से ठेकेदार द्वारा अवैध खुदाई नहीं की जा सकती और मैं आकर देखता हूं। मगर जिन किसानों की मिट्टी खेत से उठाई गई और जिन किसानों की पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हुई उनकी नुकसानी का जवाबदार कौन रहेगा। यदि किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिला तो किसान आंदोलन के लिए हर समय तैयार है।

चुनाव हारने के बाद वार्डवासियों को मिठाई के साथ दिया धन्यवाद पत्र जिसकी हो रही तारीफ

माही की गूंज, पेटलावद।

चुनाव में हार-जीत सिक्के के दो पहलू है, लेकिन हारने वाला हारकर भी जीत जाए ऐसे बहुत कम प्रत्याशी होते है। पिछले दिनों सम्पन्न हुए नगर परिषद पेटलावद के चुनाव में कुछ अलग ही देखने को मिला। जहा कई वार्डो में हारे प्रत्याशी अपनी हार का मंथन और हराने वाले को नुकसान पहुचाने की योजना बनाते दिख रहे है। वही वार्ड क्रमांक 10 में निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी सिद्दू कोठारी ने अपने व्यवहार से न केवल वार्ड का बल्कि पूरे नगर का दिल जीत लिया। अनारक्षित वार्ड में कांग्रेस से लगातार इस वार्ड में पार्षद रहे राजकुमार मुथा तो भाजपा से पूंजीपति सजंय चाणोदिया मैदान में थे, मुकाबला भी इन दोनों के बीच मे माना जा रहा था। तीसरे प्रत्याशी के रूप में युवा सिद्दू कोठारी मैदान में थे, जिन्हें प्रत्याशियो सहित मीडिया ने भी हल्के में लिया, लेकिन चुनाव परिणाम सामने आने के बाद इस युवा ने सारे समीकरण बिगाड़ दिए और अपने प्रदर्शन से सब को चौका दिया। सिद्दू कोठारी मात्र 6 वोटो के अंतराल से पिछड़ कर भाजपा प्रत्याशी से चुनाव हार गए। यहां कांग्रेस के गढ़ में सिद्दू ने कांग्रेस को तीसरे नम्बर पर धकेल दिया। वार्ड के परिणाम से हर कोई आश्चर्यचकित दिखाई दिया।

घर-घर जा कर धन्यवाद पत्र के साथ दी मिठाई

वार्ड में मिले अपार समर्थन से गद-गद हुए युवा सिद्दू कोठारी ने वो किया जो पूरे नगर में जितने के बाद भी किसी प्रत्याशी ने नही किया। मामूली अंतर से हार के बाद सिद्दू कोठारी अपने सभी वार्ड वासियों के घर चेहरे पर मुस्कान लिए मिलने पहुँच गए और वार्डवासियों द्वारा दिये समर्थन और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ मे मिठाई और धन्यवाद पत्र भी भेंट किया। सिद्दू कोठारी की इस पहल की चर्चा अब पूरे नगर में है। सिद्दू कोठारी ने गूंज से चर्चा में बताया कि, वो इस वार्ड को अपना परिवार मानते है और जो परिवार ने निर्णय लिया है उसे सहर्ष स्वीकार करते है। सिद्दू कोठारी के प्रदर्शन से दोनों राजनीतिक दल भी प्रभावित है। गूंज ने उनसे ही जानना चाहा कि, भविष्य में किसी दल से जुड़कर राजनीतिक जीवन को आगे बढाएंगे तो, उन्होंने कहा कि नगर विकास के लिए जरूरी हर सम्भव प्रयास करूंगा अगर आवश्यता लगी तो किसी दल से जुड़ने में परहेज नही करेगे फिलहाल उनकी ऐसी कोई योजना नही है।

एएसआई अमित सिंह को किया लाइन अटैच

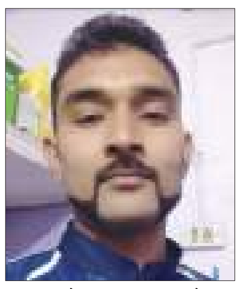

माही की गूंज, थांदला। पुलिस थाने में पदस्थ कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक अमित सिंह बघेल को एसपी अगम जैन ने लाइन अटैच कर दिया है। 11 अक्टूंबर को जारी आदेश में उन्हें तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन झाबुआ में अटैच किया गया है। गौरतलब है कि, दो दिन से अमित सिंह बघेल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वह ग्रामीणों से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए दिखाई दे रहे है। इस वीडियो को लेकर मीडिया में खबरें भी चली। जिसके बाद एसपी अगम जैन ने तत्काल कार्यवाही करते हुए उन्हें थांदला पुलिस थाने से हटा दिया है। हालांकि यह वायरल वीडियो कब का है, इस बात की पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है। थांदला थाने में अमित सिंह बघेल दीवान के पद पर कार्य करते रहे है।

सार्वजनिक स्थल पर नशा करने वाले 3 के खिलाफ पुलिस ने की कार्यवाही

माही की गूंज, थांदला। पुलिस ने सार्वजनिक स्थल पर नशा करने वाले 3 लोगों पर कानूनी कार्यवाही की है। टीआई कौशल्या चौहान ने बताया कि, अलग-अलग स्थानों पर लोगों द्वारा नशा करने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने दबिश देकर कार्यवाही की। जिसमें गणेश मंदिर के पीछे पुरानी नगरपालिका के सामने से किशोर मांगीलाल राठौड़ निवासी शांति कॉलोनी को चीलम से गांजा पीते हुए पकड़ा। इसी तरह नगर पालिका चौराहा मोटरसायकिल गैरेज के पास से हेमंत नाई निवासी अणुपब्लिक स्कूल के पास और नौगावां पुलिया डहुकी माता मंदिर के पास से अन्नु कसना कटारा निवासी तलावली को गांजा पीते पुलिस ने पकड़ा। सभी से अलग-अलग गांजे की पुडिया व अन्य सामग्री भी जप्त की गई है। सभी के विरूद्ध थांदला पुलिस थाने में 8/27 एनडीपीएस एक्ट के तहत अलग-अलग मामले पंजीबद्ध किए गए है।

नशे से दूर रहने की दी सलाह, हेलमेट पहनकर गाड़ी चलावें

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

नवागत चौकी प्रभारी रामसिंह चौहान ने पेटलावद-बदनावर हाईवे पर दोपहिया वाहन चालकों को रोककर बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने वालों पर चालानी कार्रवाई करके समझाइश दी गई।

मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत झाबुआ पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशानुसार, चौकी प्रभारी रामसिंह चौहान व स्टाफ के द्वारा चौकी के सामने उपस्थित ग्रामीणों को नशा मुक्ति व सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के बारे में समझाया और शराब पिकर वाहन चलाना हानिकारक है बताया। बिना हेलमेट के वाहन चलाने से दुर्घटना घटित होने की संभावना रहती है, इसलिए हमेशा वाहन बिना नशा किये व हेलमेट लगाकर ही सुरक्षित रहकर सफर करने के लिए कहा।

महेंद्र चन्द्रावत भाजयुमो के जिला मंत्री नियुक्त

माही की गूंज, सारंगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश महामंत्री, युवा मोर्चा प्रभारी व राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष वैभव पवार, संभाग प्रभारी रणजीत सिंह चौहान के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक की अनुशंसा पर युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष कुलदीप चौहान के द्वारा जिले के युवा मोर्चा के निम्न दायित्व की घोषणा की गई। जिसमे बाछिखेड़ा के युवा महेंद्र चन्द्रावत को भाजयुमो का जिला मंत्री बनाया गया। चन्द्रावत को जिला मंत्री बनने पर मित्रो एवं परिजन द्वारा बधाइयां दी गई। ज्ञात हो कि, महेन्द्र सिंह ने खेल सामग्री घोटाले को उजागर करने में भी अपनी भूमिका निभाई थी।

जाने-माने फोटोग्राफर राजा ठाकुर का निधन

माही की गूंज , पेटलावद। रविवार को पत्रकार शान ठाकुर के पिता राजा ठाकुर का बड़ौदा के रिदम हॉस्पिटल में उपचार के दौरान निधन हो गया। जेसे ही राजा ठाकुर के निधन की सुचना मिली तो परिवार और पत्रकार जगत में शोक की लहर छा गई। सिविल हॉस्पिटल में पदस्थ डीईओ दीपेश ठाकुर व पत्रकार शान ठाकुर के पूज्य पिता वरिष्ठ फोटोग्राफर राजा ठाकुर फोटोग्राफी की दुनिया में जाना माना नाम था। उनके निधन के बाद उनकी अंतिम यात्रा माधव कालोनी स्थित निवास स्थान से निकाल अंतिम संस्कार पेटलावद पम्पावती नदी के तट पर किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में परिजन एवं नगरवासी शामिल हुए।

54 तपस्वियों ने की नवपद ओलिजी तप आराधना पूर्ण

जैन सोशल ग्रुप ने महावीर भवन में की व्यवस्थाएं

माही की गूंज, थांदला।

धर्म नगरी थांदला में पूज्य श्री धर्मदास गण नायक प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी के आज्ञानुवर्ती संत पूज्य श्री चन्द्रेशमुनिजी एवं पूज्य श्री सुयशमुनिजी तथा पूज्या श्री निखिलशीलाजी मसा आदि ठाणा- 4 के पावन सानिध्य में चातुर्मास चल रहा है। जिसमें नित्य प्रवचन प्रतिक्रमण धार्मिक चर्चा के अलावा श्रावक-श्राविका वर्ग उत्साह पूर्वक थोकोड़ों का ज्ञानार्जन कर रहा है। वहीं तपस्याओं से अपनी आत्मा का कल्याण कर रहा है। पूज्य श्री की प्रेरणा से 54 तपस्वियों ने नवपद ओलिजी की आराधना आयम्बिल व निवि तप से की जिसकी सुंदर व्यवस्था जैन सोशल ग्रुप द्वारा स्थानीय महावीर भवन पर की। जानकारी देते हुए सोशल ग्रुप के अध्यक्ष महावीर गादिया व सचिव अमित शाहजी ने बताया कि, श्रीसंघ थांदला के आयोजन में जैन सोशल ग्रुप द्वारा सभी तपस्वियों के आतिथ्य सत्कार का लाभ लिया गया। इसके लिए संघ के अनेक परिवारों ने भी अपनी सेवाएं प्रदान की। तप आयोजन में प्रतिदिन 55 से 65 तक आयम्बिल निवि तप हुए जिनमें से 54 नित्य तपस्वियों का बहुमान भी जैन सोशल ग्रुप द्वारा किया गया। वही एक दिन पूर्व पक्खी पर्व पर तप आराधना करने वालें समस्त तपस्वियों के भी पारणें का लाभ भी लिया।

11 लाख महामंत्र नवकार आराधना पूर्ण

चतुर्विद संघ में जैन जगत के मूल महामंत्र नवकार के 11 लाख जाप का आयोजन किया गया, जिसमें आराधकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। जिससे 155 आराधकों ने 9 दिन तक 11 माला मौन सहित गिनते हुए 16 लाख से अधिक के महामंत्र नवकार के जाप पूर्ण किये। सभी आराधकों को स्व. सुंदरलाल भंसाली की स्मृति में श्रीमती तारा भंसाली परिवार द्वारा प्रभावना वितरित की गई।

श्रीमती मंजुला बहन के 11 उपवास का बहुमान

तप आराधना के क्रम में श्रीमती मंजुला बहन श्रीमार ने तेले की लड़ी में भाग लेते हुए अपनी तपस्या को विस्तार देते हुए 11 उपवास पूर्ण किए। जिसका श्रीसंघ द्वारा बहुमान किया गया। इस अवसर पर कमल श्रीमार ने 5 व रजनीकांत शाहजी ने भी तेले तप की आराधना की। उल्लेखनीय है कि, भंसाली परिवार, घोड़ावत परिवार, रुनवाल परिवार, गादिया परिवार, शाहजी परिवार आदि द्वारा निरंतर तपस्वियों का बहुमान किया जा रहा है।

इनकी सेवा रही सराहनीय

जैन सोशल ग्रुप द्वारा नवपद ओलिजी की आराधना की सुंदर व्यवस्था में प्रभारी इंदु कुवाड़ व लता सोनी के साथ ग्रुप लीडर महावीर गादिया, सचिव अमित शाहजी आदि की सेवा सराहनीय रही।

संपादकीय

नीले जहर का कहर

सूचना विस्फोट के युग में जहां मोबाइल व इंटरनेट सुविधाओं के वाहक बने हैं, वहीं समाज में अपराधों के विस्तार की कड़ी भी बने हैं। आए दिन समाचार पत्र ऑनलाइन धोखाधड़ी व ठगी के समाचारों से पटे रहते हैं। सेकेंडों में लोगों की जीवन-भर की पूंजी चली जाती है। फिर अमेरिका व कनाडा से नजदीक के रिश्तेदारों के पुलिस की गिरफ्त में होने की झूठी खबर देकर पैसा वसूली की खबरें साइबर क्राइम विभाग में लगातार दर्ज हो रही हैं। इसी कड़ी में

साइबर अपराध का नया चेहरा सामने आया, जिसे 'सेक्सटॉर्शन' नाम दिया जा रहा है। यानी छल से अश्लील वीडियो बनाकर उसे परिजनों व मित्रों में वायरल करने की धमकी देकर पैसे की वसूली। इस तरह के अपराध के तहत पंजाब में प्रतिमाह दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज कराए जा रहे हैं। आशंका है कि, लोकलाज के भय से तमाम लोग लाखों रुपए अपराधियों को दे चुके हैं।

दरअसल, हर आदमी की कोशिश होती है कि परिवार में उसकी इज्जत का फलूदा न निकले। वह बच्चों व परिजनों की नजरों में न गिरे। अपराध की प्रवृत्ति कुछ ऐसी है कि हर आम व सफेदपोश इस मामले के उजागर होने से भयभीत होता है। एक ओर जहां उसका परिवार बिखरने के कगार पर जा पहुंचता है, वहीं सामाजिक प्रतिष्ठा भी धूल-धूसरित होने की आशंका बलवती होने लगती है। इन्हीं आशंकाओं के बीच वह भयादोहन के चलते मोटी रकम देने को बाध्य होता है। हरियाणा के एक व्यवसाई से जब कई चरणों में लाखों की वसूली होने के बाद वसूली का सिलसिला नहीं थमा तो अंततः वह पुलिस की शरण में गया और फिर अपराधियों को पुलिस ने बेनकाब किया। दरअसल, सेक्सटॉर्शन का शिकार होने वालों में युवा ही नहीं, पुरानी पीढ़ी के राजनेता, सेवानिवृत्त अधिकारी, कारोबारी व डॉक्टर आदि भी शामिल हैं। अपराध का दायर इतना विस्तृत है कि देश के कई राज्यों से ऐसे अश्लील वीडियो बनाने वाले गिरोहों का संचालन हो रहा है।

दरअसल, यह बहस का विषय हो सकता है कि सोशल मीडिया क्या वाकई सोशल रह गया है...? फेसबुक व व्हाट्सएप के जरिए दोस्ती गांठ कर शातिर महिलाएं संपन्न व प्रभावशाली व्यक्ति के साथ नजदीकी हासिल कर लेती हैं। फिर एक दिन एक अनजान नंबर से वीडियो कॉल आती है और अश्लील हरकत करती शातिरा व्यक्ति को उसमें शामिल करके वीडियो रिकॉर्ड कर लेती है। जिसको एडिट करके फिर रंगदारी का खेल खेला जाने लगता है। निश्चय ही इंटरनेट का इंद्रजाल जहां हमारे जीवन को सुविधाजनक बना रहा है, वहीं हमारे समाज व व्यक्तियों के जीवन में जहर भी घोल रहा है। दरअसल, खुलेपन की जो आंधी दुनिया में सोशल मीडिया में नजर आती है, वह कितनी घातक साबित हो सकती है, उसकी बानगी सेक्सटॉर्शन के चक्रव्यूह में नजर आती है। बहुत संभव है कई लोग सामाजिक प्रतिष्ठा गंवाने के भय से आत्मघाती कदम भी उठा लेते हों, जिसकी सच्चाई शायद ही कभी लोगों के सामने आये। दरअसल, इस गंदे खेल का जाल इतना खतरनाक है कि कोई आम व्यक्ति भी इसकी चपेट में आ सकता है। हो सकता कई परिवारों के बच्चे इसकी चपेट में आकर गलत कदम उठा चुके हों। लेकिन परिवार के भय व सामाजिक प्रतिष्ठा के क्षरण के भय से किसी से कुछ न कह पाते हों। दरअसल, इस मुद्दे पर व्यापक विमर्श व काउंसलिंग की जरूरत है। बच्चों को समझाने की जरूरत है कि यदि वे किसी साजिश का शिकार होते हैं तो परिवार को विश्वास में लेकर समाधान निकालें। वहीं विडंबना यह भी कि हमारे समाज में यौन इच्छाओं का विस्फोट विद्यमान हो रहा है। तमाम सोशल साइट्स पर इतनी अश्लील सामग्री मौजूद है कि बच्चे समय से पहले बड़े होने लगे हैं। मां-बाप उन्हें ज्यादा मोबाइल का प्रयोग करने से रोकते हैं तो वे ऑनलाइन पढ़ाई की दुहाई देकर निरुत्तर कर देते हैं। निस्संदेह, तमाम विदेशी हमलों ने भारतीय संस्कृति को उतनी क्षति नहीं पहुंचाई होगी, जितनी इंटरनेट पर मौजूद अश्लीलता ने पहुंचाई है। यही वजह है कि कई अमानुषिक यौन अपराधों से पूर्व अपराधियों ने इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने की बात स्वीकारी है।

गांधी दर्शन से हिंसक व्यवस्था का समाधान

रूस-यूक्रेन युद्ध आठवें महीने में प्रवेश कर गया है। यूक्रेन के चार प्रांतों को रूस ने अपनी तरफ से जनमत संग्रह करवा कर औपचारिक रूप से रूसी फेडरेशन का अंग बना लिया है। वहीं यूक्रेन ने नाटो की सदस्यता की कोशिशें तेज कर दी हैं। साथ ही सहयोगी देशों से ज्यादा से ज्यादा हथियार देने और रूस पर ज्यादा से ज्यादा प्रतिबंध लगाने की मांग भी। आशंका जताई जा रही है कि यह युद्ध देर-सवेर रूस और पश्चिमी देशों के बीच का युद्ध बन सकता है। रूस की तरफ से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी युद्ध के शुरुआती दिनों में दी जा चुकी है। उसे फिर से दोहराया गया है। रूस परमाणु अथवा अन्य गैर-पारंपरिक हथियारों का इस्तेमाल करेगा तो यूक्रेन और उसके सहायक देश भी वैसा कर सकते हैं। फिर यह सच्चाई प्रमाणित हो गई है कि आधुनिक सभ्यता की नियामक और संचालन व्यवस्था युद्ध, गृह-युद्ध तथा तरह-तरह के अन्य हिंसक टकराव न तो शुरू होने से रोक पाती है, न शुरू होने पर उन्हें शीघ्र खत्म करने की दिशा में कारगर हो पाती है। इसका कारण है कि आधुनिक सभ्यता और उसे चलाने वाली विश्व-व्यवस्था की नींव मुख्यतः हिंसा के तर्क पर रखी गई है।

वर्तमान दौर की विश्व-व्यवस्था का नियमन-संचालन संयुक्त राष्ट्र संघ एवं उसकी विभिन्न इकाइयों, विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व व्यापार संगठन, विश्व आर्थिक मंच और आर्थिक-सामरिक-भूराजनीतिक हितों के मद्देनजर बनने वाले चुनिंदा देशों के साझा मंचों-संगठनों, दूतावासों आदि के जरिये होता है। उक्त वैश्विक संस्थाओं के तहत काम करने वाली यह विश्व-व्यवस्था अलग-अलग देशों और अंतर्राष्ट्रीय धरातल पर राजनीतिक-तंत्र, कूटनीतिक-तंत्र, सैन्य-तंत्र, अर्थ-तंत्र, बौद्धिक-तंत्र और धर्म-तंत्र की छह परस्पर गुंथी परतों का समुच्चय होती है। इस व्यवस्था के अंतर्गत एक विशाल एनजीओ-तंत्र सक्रिय रहता है, जिन्हें इस व्यवस्था के सेफ्टी वॉल्व कहा जाता है। वैश्विक सस्थाओं के मंचों पर छोटे-बड़े सभी देशों के बीच बराबरी के आधार पर आपसदारी का रिश्ता कायम करने के बजाय वर्चस्व-स्थापन की होड़ लगी रहती है। पांच महाशक्ति देशों के पास किसी भी प्रस्ताव को अमान्य कर देने का वीटो अधिकार है, और ये शक्तिशाली देश संयुक्त राष्ट्र के नियम-कायदों का अक्सर उल्लंघन भी करते हैं।

अस्सी के दशक में हुई वाशिंगटन सहमति के बाद से वैश्विक आर्थिक संस्थाएं और विभिन्न देशों का नेतृत्व कॉर्पोरेट पूंजीवाद के सुविधा-प्रदायक बने हुए हैं। डेविड सी कोर्टन अपनी पुस्तक 'व्हेन कॉरपोरेशंस रूल दि वर्ल्ड' में बताते हैं कि इस तरह दुनिया में आसानी से निगमों का राज चलता है। वाशिंगटन सहमति के साथ शताब्दियों के उपनिवेशवादी वर्चस्व से स्वतंत्र हुए देश एक नए नवउपनिवेशवादी शिकंजे में फंसते चले गए हैं। पिछले चार दशकों से जारी युद्धों समेत तरह-तरह के हिंसक टकराव नवउपनिवेशवादी प्रक्रिया का हिस्सा कहे जा सकते हैं।

इस व्यवस्था में निर्णायक बदलाव आसान नहीं है। इस की मजबूत किलेबंदी तो है ही, इसका विरोध करने वाले लोगों की तरफ से किए जाने वाले प्रयासों में जरूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता नहीं होती। क्योंकि आधुनिक सभ्यता और उसे चलाने वाली व्यवस्था के विरोधियों के मन में हमेशा आधुनिक सभ्यता के पथ पर पिछड़ जाने का डर बैठा रहता है। पूंजीवादी विकास की अवधारणा ने विकसित ही नहीं, विकासशील और अविकसित देशों की जनता के दिमाग में भी गहरी जड़ जमाई हुई है।

दरअसल, यह सोचा जा सकता है कि पिछड़ जाने के डर से मुक्ति पाकर पूंजीवाद के शुरुआती चरण से लेकर अभी तक के 'विकास' का एक तटस्थ और भविष्योन्मुख जायजा लिया जाना चाहिए। तभी आगे के लिए न्याय एवं शांति के पक्ष में कुछ कारगर फैसले लिए जा सकते हैं।

ज्ञान-विज्ञान की अभी तक घटित हो चुकी भूमिका पर गम्भीरतापूर्वक विचार करके ही उनकी कोई अलग भूमिका तलाशी जा सकती है। ऐसा करने से आधुनिक सभ्यता की अभी तक की उपलब्धियां कहीं विलीन नहीं हो जाएंगी। ध्यान रहे कि यूरोप में रेनेसां की एक अलग समझ और व्याख्या,और उसके आधार पर एक वैकल्पिक आधुनिक सभ्यता का विचार मौजूद रहा है। ज्ञान-विज्ञान की उपलब्धियों को एक हिंसक आधुनिक सभ्यता के पक्ष में नियोजित किए जाने के चलते उस धारा का आगे विकास नहीं हो सका। यह विश्व-व्यवस्था रातों-रात नहीं बदली जा सकती। एक सुविचारित दीर्घावधि योजना के तहत ही इसमें बदलाव लाने की संभावना बन सकती है। अगर ऐसी कोई सच्ची पहल होती है, तो मोहनदास करमचंद गांधी उस प्रयास में सहायक हो सकते हैं। यह सही है कि भविष्य में लंबे समय तक हिंसा पर टिकी भोगवादी दृष्टि आधुनिक सभ्यता के केंद्र में बनी रहेगी। लिहाजा, गांधी के मानव-सभ्यता और आधुनिक सभ्यता के फलसफे को फिलहाल एक तरफ रखा जा सकता है। केवल उनके तरीके को अपनाते चलें, तो आधुनिक सभ्यता को हिंसा की धुरी से उतार कर अहिंसा की धुरी पर रखने की दिशा में कुछ कदम चला जा सकता है।

गांधी ने एक पराभूत और भयभीत समाज को साहस और दृष्टि प्रदान करके विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली उपनिवेशवादी सत्ता को निर्णायक चुनौती दे डाली थी। उनके प्रयोग का असर पूरे एशिया और अफ्रीका के महाद्वीपों पर भी पड़ा था। गांधी ने भारत समेत विश्व को अन्याय के प्रतिकार की एक अभूतपूर्व कार्य-प्रणाली से समृद्ध किया।

लेखक प्रेमसिंह

सभी जानते हैं कि, गांधी आधुनिक हिंसक सभ्यता के चक्रव्यूह में गहरे घुस गए थे। लंबे समय तक अहिंसा की ताकत के साथ उन्होंने अपना संघर्ष भी बनाए रखा। लेकिन वे उस चक्रव्यूह से जिंदा वापस नहीं लौट सके। हालांकि उनका दिखाया रास्ता दुनिया के मंच पर बना रहा है। गांधी के बाद दुनिया की अनेक संघर्षशील विभूतियों ने अन्याय और अत्याचार का प्रतिरोध करने के लिए गांधी के रास्ते को अपनाया। उनमें अफ्रीका के नेल्सन मंडेला, डेस्मंड टूटू, तंजानिया के जूलियस न्यरेरे, अमेरिका के मार्टिन लूथर किंग जूनियर, तिब्बत की स्वतंत्रता के अहिंसक आंदोलनकारी, ईरोम शर्मीला आदि के नाम प्रमुखता से आते हैं। भारत में डॉ. भीमराव अंबेडकर, आचार्य नरेंद्र देव, जयप्रकाश नारायण, डॉ. राममनोहर लोहिया जैसे कई विचारक और नेता रहे हैं जिन्होंने गांधी के अहिंसक संघर्ष की विरासत को समृद्ध किया है। गांधी की उपस्थिति में भारत औपनिवेशिक वर्चस्व के बावजूद दुनिया के स्तर पर एक गरिमामय और अनुकरणीय राष्ट्र-समाज के रूप में स्थापित हो गया था। लेकिन अंतिम दिनों में उनकी खुली अवहेलना और अंततः हत्या कर दी गई। हत्या के बाद उनका व्यापार और तिरस्कार करने की प्रवृत्तियां जोर पकड़ती गईं, जो 'नए भारत' में काफी विद्रूप हो गई हैं। ऐसे में भारत से शुरुआत के लिए एक बड़े संकल्प की जरूरत होगी।

शुरू में दो काम किए जा सकते हैं। पहला, मनुष्य और प्रकृति के रिश्ते की परस्परता, जिसे पूंजीवाद ने प्रतिस्पर्धात्मक बना दिया, फिर से बहाल करना। दूसरा, मानव सभ्यता को हथियार और बाजार की ताकत पर नहीं, मानवता-केंद्रित विचार की ताकत पर आगे बढ़ाना। शिक्षा, कला और मनोरंजन जैसे विविध माध्यमों से ये दो काम होते चलेंगे,तो हिंसा और उसके साथ नत्थी पर्यावरण विनाश पर रोक लगती चलेगी। यह काम पहले विद्वानों और बुद्धिजीवियों को हाथ में लेना होगा।

जनाधार वाले खांटी समाजवादी नेता का अवसान

राजनीति में साढ़े पांच दशक के लगभग पिछड़ों, गरीबों, किसानों और अल्पसंख्यकों के हितों के लिए संघर्ष करने वाले नेता, अपने धुर राजनीतिक विरोधियों से भी अच्छे व मधुर संबंध रखने वाले, देश की राजनीति में अनूठे नेता के रूप में विख्यात मुलायम सिंह के निधन से देश की राजनीति में पैदा रिक्तता की भरपायी असंभव है। इसमें दो राय नहीं कि देश की राजनीति में चौधरी चरण सिंह के अवसान के बाद हुई रिक्तता को भरने का काम यदि किसी नेता ने किया, तो वह मुलायम सिंह ही थे। जिन्हें चौधरी चरण सिंह का नेपोलियन तक कहा जाता था। प्रदेश की राजनीति में मुलायम सिंह यादव को उनके प्रशंसक और अनुयायी चौधरी साहब के नाम से पुकारते थे। उन्होंने राजनीति में अपने परम मित्र और दशकों तक लोकदल की राजनीति में साथ-साथ शीर्षस्थ भूमिका निभाने वाले राजेन्द्र सिंह को भी पीछे छोड़ एक ऐसा मुकाम हासिल किया, जो आज तक कोई हासिल नहीं कर पाया।

निःसंदेह मुलायम सिंह प्रदेश में लोकदल के इतिहास में ऐसे अध्यक्ष रहे जिनकी कार्य कुशलता, राजनीतिक दक्षता और जनता में पैठ की सर्वत्र सराहना की जाती है। देखा जाये तो प्रदेश में राम बचन यादव, रामनरेश कुशवाहा जैसे नेता भी लोकदल अध्यक्ष रहे, लेकिन मुलायम सिंह के जन समस्याओं के लिए किये जाने वाले संघर्ष का ही परिणाम रहा कि उनके सामने प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे रामनरेश यादव तक राज्य के यादवों और अन्य पिछड़े वर्ग में अपनी पैठ बनाने में नाकाम रहे। दस्यु उन्मूलन के नाम पर पिछड़ों पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध उनके राज्यव्यापी आंदोलन ने उन्हें राज्य में पिछड़ों का सर्वमान्य नेता बना दिया।

यह बात भी सही है कि इस आंदोलन में समाजवादी नेता मधु लिमये, जार्ज फर्नांडीज, शरद यादव, रामनरेश यादव आदि नेताओं की भी अहम भूमिका थी और इस आंदोलन को पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का भी वरद हस्त प्राप्त था। यही वह अहम कारण रहा कि वह प्रदेश में मंत्री, नेता विरोधी दल, मुख्यमंत्री, सांसद और रक्षा मंत्री जैसे पदों तक पहुंचे।

वह बात दीगर है कि, देश की राजनीति में एक समय ऐसा भी आया जब उनके प्रधानमंत्री बनने का भी अवसर आया। लेकिन प्रधानमंत्री बनने न देने में उनके जातीय बंधुओं और अन्य नेताओं की भी अहम भूमिका रही। इसमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। इसमें अहम कारण उन जातीय बंधु नेताओं की महत्वाकांक्षा प्रमुख थी। वह बात दीगर है कि उन नेताओं की वह महत्वाकांक्षा कभी पूरी नहीं हुई और वह राजनीति के घटाटोप अंधेरे में गुम ही हो गये। उन नेताओं का प्रधानमंत्री बनने का सपना सपना ही रह गया। प्रदेश और देश की राजनीति में मुलायम सिंह यादव के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। सामाजिक उत्थान व प्रदेश के विकास हेतु किये गये उनके कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे।

गौरतलब है कि, प्रदेश में अल्पसंख्यकों के हितों के प्रबल पक्षधर होने के चलते उन पर मुल्ला मुलायम सिंह होने का भी आरोप लगा लेकिन इससे वह कभी विचलित नहीं हुए और अपने रास्ते पर अंतिम क्षण तक अडिग रहे। दरअसल, उन पर कार्तिक स्नान के पर्व पर अयोध्या में जलियांवाला बाग जैसा कांड करवाने का आरोप लगाया गया, जिसमें निहत्थे राम भक्तों को घेरकर उन पर घंटों फायरिंग की गयी। आरोप यह भी लगाया गया कि उस गोलीकांड में बड़ी संख्या में कारसेवकों की मौत हुई और उमा भारती, ठाकरे, नृत्यगोपाल दास के नेतृत्व में हजारों रामभक्त घायल हुए। जबकि उनके इस मुस्लिम प्रेम के चलते चुनाव में दीगर मतदाताओं के कोप का भी भाजन बनना पड़ा। उन पर परिवारवाद के पोषण और ताल, तिकड़म व अवसरवाद के पुरोधा कहें या सुप्रीमो होने का भी आरोप लगाया गया परन्तु उन्होंने इसका कभी खंडन नहीं किया। वैसे देखा जाये तो इस तरह के आरोप कांग्रेस शासन में मुलायम सिंह सहित भाजपा व अन्य सभी विरोधी दल कांग्रेस पर लगाते नहीं थकते थे। लेकिन विडम्बना देखिए आज वही दल इनमें आकंठ डूबे नजर आते हैं और गांधी परिवार पर परिवारवाद का पानी पी-पीकर आरोप लगाते नहीं थकते।

बहरहाल, उनका नाम प्रदेश की राजनीति, सत्ता और पिछड़ों पर लम्बे समय तक अपनी मजबूत पकड़ रखने वाले नेता के रूप में दर्ज रहेगा। यह कटु सत्य है। उनके जाने के बाद अहम सवाल यह है कि यादवों का क्षत्रप अब कौन होगा? उनके पुत्र अखिलेश यादव जो अब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष हैं या मुलायम सिंह के जीवन में उनके कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले भाई शिवपाल सिंह यादव जिन्हें अब बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। यही विचारणीय प्रश्न है।

लेखक :- ज्ञानेंद्र रावत

अस्तित्व से लड़ रही सुप्रीम कोर्ट कैसे करेगी संवैधानिक अधिकारों की रक्षा

लगता है, सुप्रीम कोर्ट के जज अपने ही अस्तित्व को बचाने के लिए लड़ रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में सुप्रीम कोर्ट के जजों के बीच सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली को लेकर सवालिया निशान सुप्रीम कोर्ट के जजों ने ही लगाए हैं। 4 जजों ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की कार्यप्रणाली को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उसके बाद से सुप्रीम कोर्ट के जजों के सामने सरकार के दबाव में अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली में स्पष्ट रूप से सरकार का प्रभाव, सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली एवं निर्णयों में दिखने लगा है। कॉलेजियम को लेकर सुप्रीम कोर्ट पर हमेशा सरकार दबाव बनाती है। केंद्र सरकार चाहती है कि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की जजों की नियुक्ति का अधिकार उसके पास हो। कॉलेजियम उन्हीं नामों की अनुशंसा करे, जिन नामों की अनुशंसा सरकार करती है।

आपातकाल के बाद से वर्तमान सत्तारूढ़ राजनीतिक दल, न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लेकरजो कहता था। वर्तमान में ठीक उसके विपरीत कार्य कर रहा है। जिसके कारण सुप्रीमकोर्ट और हाई कोर्ट के सामने सरकारी दबाव बना हुआ है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायाधीश सरकार के दबाव में लगते है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठता क्रम में सबसे सीनियर जज डीवाई चंद्रचूड़ की नियुक्ति मुख्य न्यायाधीश के पद पर संभावित है। अनुशंसा होने के पूर्व उनके खिलाफ राष्ट्रपति को एक शिकायत की गई है। यह शिकायत तब की गई है, जब वर्तमान मुख्य न्यायाधीश को सुप्रीम कोर्ट के अगले न्यायाधीश के रूप में अनुशंसा करनी थी। वरिष्ठता क्रम के हिसाब से डीवाई चंद्रचूड़ का नाम प्रस्तावित कर दिया है। उनका कार्यकाल लगभग 2 साल का है। मुख्य न्यायाधीश की अनुशंसा के बाद सरकार को इस बारे में अंतिम फैसला करना है। राष्ट्रपति को राशिद खान पठान ने जो शिकायत की है। माना जा रहा है, कि एक साजिश के तहत यह शिकायत जानबूझकर कराई गई है।

इसकी जानकारी मिलते ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने राष्ट्रपति को लिखे गए पत्र को दुर्भावनापूर्ण और निराधार बताया है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने इस शिकायत की कड़ी निंदा की है। शिकायत करने वाले पर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की है। जिस तरह से डीवाई चंद्रचूड़ को निशाने पर लिया गया है उससे लगता है कि वर्तमान मुख्य न्यायाधीश यूएस ललित द्वारा जो अनुशंसा की गई है सरकार उसको मान ले। सुप्रीम कोर्ट के कामकाज को लेकर जिस तरह से सरकार का हस्तक्षेप बढ़ा है उसके बाद इस तरीके की आशंकाएं भी समय-समय पर देखने को मिल रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के खिलाफ एक महिला ने यौन उत्पीड़न के मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। उस पर काफी हंगामा हुआ। सरकारी स्तर पर भी इसकी प्रतिक्रिया हुई। कुछ समय बाद रंजन गोगोई को क्लीन चिट मिल गई। जिस महिला ने शिकायत की थी। उसकी बहाली सुप्रीम कोर्ट में फिर से हो गई। 17 नवंबर 2019 को रंजन गोगोई ने रिटायर होने के पहले जो भी फैसले दिए। वह सभी विवादास्पद फैसले के रूप में जाने जाते हैं। सरकार ने रंजन गोगोई को राज्यसभा मैं भेज दिया। रंजन गोगोई को क्लीन चिट देने वाले जज मुख्य न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत हो गए।

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की न्यायपालिका में एक अच्छी छवि है। निर्भीक होकर निर्णय देने के लिए उन्हें जाना जाता है। वरिष्ठता क्रम से यदि वह मुख्य न्यायाधीश बनते हैं। तो 2 वर्ष का लंबा कार्यकाल होगा। राशिद खान पठान द्वारा राष्ट्रपति को जो शिकायत की गई है। उसे एक साजिश माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। देश भर में न्यायपालिका को लेकर एक नई चर्चा शुरू हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों को महाभियोग लाकर ही संसद द्वारा हटाया जा सकता है। अब ऐसा लग रहा है, कि जांच एजेंसियों का दखल भी हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों के खिलाफ शिकायत और जांच के लिए अप्रत्यक्ष रूप से उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण सभी हाईकोर्ट के जज और सुप्रीम कोर्ट के जजों में एक अज्ञात भय देखने को मिलता है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरीके से कॉलेजियम की सिफारिशों को सरकार ने अनदेखा किया है। उससे भी जज दबाव में हैं। सरकार जिन न्यायाधीशों से खुश होती है। उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद अच्छे पदों पर नवाजने के कारण भी, सरकार का प्रभाव सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट में दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। आम आदमी में यह धारणा बनने लगी है, कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जज खुद अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हों,ऐसे में वह लोकतंत्र, संवैधानिक अधिकारों, और नागरिकों के मूलभूत अधिकारों को किस तरह से संरक्षित करा पाएंगे। कई मामलों में जब हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज यह कहते हैं, कि आदेशों का क्रियान्वयन सरकार को करना होता है। सरकार उनके आदेशों का पालन नहीं करा रही है। यह कहकर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट अपनी बेबसी को दर्शाते हैं। जिसके कारण आम आदमी का मनोबल न्यायपालिका के प्रति कमजोर पड़ने लगा है।

सनत जैन

बदलाव से लोकतांत्रिक जीवन शक्ति में विश्वास

समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया, जिनकी बुधवार को पुण्यतिथि थी, प्रायः कहा करते थे कि सच्चे लोकतंत्र की जीवनीशक्ति सरकारों के उलट-पलट में बसती है। कांग्रेस के प्रभुत्व के उन दिनों में 'असंभव' माने जाने वाले इस उलट-पलट के लिए उन्होंने अपनी आखिरी सांस तक कोई कोशिश उठा नहीं रखी। इन कोशिशों के प्रति उनकी बेचैनी ऐसी थी कि इनमें विफल हुए तो भी हिम्मत नहीं हारी, विफलता को तात्कालिक माना। इस विश्वास को बनाये रखा कि एक दिन उनकी कोशिशें जरूर रंग लायेंगी। उनका यह कथन कि 'लोग मेरी बात सुनेंगे, पर मेरे मरने के बाद' इसी का परिचायक था।

फरवरी, 1962 में लोकसभा के तीसरे आम चुनाव में करारी हार से 'उलट-पलट' के उनके अरमानों को झटका लगा तो भी 23 जून, 1962 को नैनीताल में अपने ऐतिहासिक भाषण में उन्होंने कार्यकर्ताओं को 'निराशा के कर्तव्य' बताकर उन पर अमल करने को कहा। फिर तो गैर-कांग्रेसवाद के उनके नारे ने 1967 के चुनावों में कांग्रेस की चूलें हिला डालीं। केन्द्र में न सही, कई राज्यों में उसे सत्ता से बेदखल कर डाला।

दूसरे पहलू पर जायें तो डॉ. लोहिया ने चुनावी हार-जीत को कभी ज्यादा महत्व नहीं दिया। हमेशा मानते रहे कि चुनाव, हार-जीत से कहीं आगे अपनी नीतियों व सिद्धांतों को जनता के बीच ले जाने के सुनहरे अवसर होते हैं। 1962 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू को चुनौती देने के लिए उनके निर्वाचन क्षेत्र फूलपुर से वे खुद प्रत्याशी बने तो इस सुनहरे अवसर का भरपूर इस्तेमाल किया।

हर हाल में संसद पहुंचने की अन्य नेताओं जैसी लिप्सा से परहेज के कारण उनका संसदीय जीवन लम्बा नहीं रहा। लेकिन दिल्ली में उनका निधन हुआ तो वे अपनी कर्मभूमि फर्रुखाबाद को विभाजित कर बनाई गयी नयी कन्नौज लोकसभा सीट के सांसद थे। इससे पहले उन्होंने फर्रुखाबाद लोकसभा सीट का ऐतिहासिक उपचुनाव भी जीता था। कहते थे कि उनकी सबसे बड़ी ताकत थी कि देश के वंचित व कमजोर लोग उन्हें अपना आदमी समझते थे।

फर्रुखाबाद के मतदाताओं ने उपचुनाव जिताकर उनको लोकसभा भेज दिया तो वहां जेबी कृपलानी द्वारा नेहरू सरकार के विरुद्ध लाये गये अविश्वास प्रस्ताव पर उन्होंने 'तीन आना बनाम पन्द्रह आना' वाली प्रसिद्ध बौद्धिक बहस छेड़ दी। भाषण में उन्होंने कहा कि देश की प्रति व्यक्ति दैनिक आय महज तीन आना है और सरकार का उसके पन्द्रह आना होने का दावा सिरे से गलत है। तब देश के 27 करोड़ लोगों के इतनी अल्प आय पर गुजर-बसर को विवश होने और सरकार द्वारा उनकी बेबसी को झुठलाने की उन्होंने ऐसी तीखी आलोचना की कि सत्तापक्ष निरुत्तर हो गया।

कहते हैं कि इससे उनकी नैतिक, ईमानदार व संघर्षशील नेता की जो छवि बनी, उसी के बूते उन्होंने कन्नौज लोकसभा सीट के 1967 के चुनाव में कांटे के मुकाबले में भी 93 हजार 578 वोट प्राप्त किये। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के एसएन मिश्र ने 93 हजार 106 वोट पाये और 472 वोटों के अंतर से हार गये। लेकिन इसी मोड़ पर उम्र उनके साथ बड़ी नाइंसाफी से पेश आई। उसने उन्हें इस जीत की वर्षगांठ भी नहीं मनाने दी। चुनाव के कुछ ही महीनों बाद बीमार पड़े तो उन्हें दिल्ली के तत्कालीन विलिंगटन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों के लिए उन्हें बचाना संभव नहीं हुआ। उनके निधन के बाद उनकी याद में उस अस्पताल का नाम बदलकर डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल कर दिया गया।

बहरहाल, तत्कालीन फैजाबाद जिले में स्थित उनकी जन्मभूमि अकबरपुर, जहां 23 मार्च, 1910 को उनका जन्म हुआ था और जो अब अम्बेडकरनगर जिले का मुख्यालय है, से उनकी कर्मभूमि फर्रुखाबाद या कि कन्नौज तीन सौ किलोमीटर से ज्यादा दूर है, लेकिन अब वे जन्मभूमि व कर्मभूमि दोनों में लावारिस से होकर रह गये हैं। उनके वारिस होने का दम भरने वाले समाजवादी भी उनकी नीतियों व विचारों को आगे करने में दिलचस्पी नहीं लेते- न अपने अच्छे दिनों में, न ही बुरे दिनों में।

इसी का फल है कि भले ही डॉ. लोहिया के एजेंडे पर अंग्रेज़ी हटाना और हिंदी लाना सबसे ऊपर रहा हो, अयोध्या में जिस अवध विश्वविद्यालय से उनका नाम जुड़ा हुआ है, उसमें हिन्दी का विभाग ही नहीं है, न ही डॉ. लोहिया के अकादमिक कामों को आगे बढ़ाने का कोई उपक्रम होता है। 1931 में 23 मार्च को भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु की शहादत के बाद डॉ. लोहिया कहा करते थे कि 'अब 23 मार्च मेरे जन्मदिवस से ज्यादा इन तीनों क्रांतिकारियों का शहादत दिवस है।'

लेखक :- कृष्ण प्रताप सिंह

सिविल हॉस्पिटल बना आवारा मवेशियों व कुत्तों का अड्डा

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले के शुजालपुर के सिविल अस्पताल की व्यवस्था सुधारने का कोई इंतजाम नहीं किया जा रहा है, जिसके चलते आम जन मानस को इन समस्याओ से रोज जूझना पड़ रहा है। इलाज के नाम पर घंटो ओपीडी की लाइन मे लग कर पर्चा बनवाते है, पर्चा बनवाने के बाद फिर से घंटो लंबी कतार में खड़े होना पड़ता है तब जाकर इलाज होता है। इलाज कराने आते मरीज व परिजनों को हमेशा खतरे का अंदेशा बना रहता जिसके चलते वे इन समस्याओ से झूझते है। सिविल हॉस्पिटल में कुत्तों व आवारा पशुओं का आतंक छाया हुआ है।

शुजालपुर के सिविल हॉस्पिटल में मरीजों को अच्छा उपचार मिले इसकी सुविधा तो शासन ने करोड़ों रुपए की लागत लगा कर की गई, मगर बीमारियो से जूझ रहे मरीजों को बीमारी का डर छोड़ कर आवारा मवेशियों व कुत्तों का डर बना रहता है। हॉस्पिटल में आवारा मवेशी से लेकर कुत्तों तक मरीजों के पलंग के नीचे बैठे रहते है। जिसको स्टाफ के कर्मचारी देख कर नजर अंदाज कर देते ओर न ही उनको भगाया जाता है। दिन हो चाहे रात हर समय मरीजों को चिंता व डर बना रहता है कि कुत्ते हमे काट न ले। इसी भय के चलते वो ठीक तरीके से आराम भी नही कर पाते। रात के समय भी आवारा कुत्तों को मरीजों के पलंग के नीचे देखा जा सकता और आवारा मवेशी ओ को भी। इससे ये स्पष्ट होता है कि हॉस्पिटल में किस प्रकार की सुविधा है और दुविधा कितनी है, ये आम जनता के मुंह पर चर्चा के विषय बना हुआ है। वही जन प्रति निधि के मुंह पर तमाचा है कि अपने शहर के हॉस्पिटल की व्यवस्था का जायजा लिया जाना चाहिए या नही।

गर्भवती महिलाओं को बना रहता है डर

गर्भवती महिलाये 9 महा दुख दर्द झेल व जिंदगी मोत से लड़कर बच्चो को जन्म देती है और डिलेवरी होने के बाद जब हॉस्पिटल के बेड पर आते हैं तो उन्हें दुसरी चिंता लगी रहती है कि, अपने बच्चो को कही कुत्ते उठा न ले जाय। क्योंकि गर्भवती महिलाये कितना दुख दर्द सहन कर बच्चो को जन्म देती है और फिर उन्हें कुत्ते उठा ले जाय ये डर दिन और रात भर बना रहता है।

मरीजों का भोजन खा जाते कुत्ते

साईड में रखा खाना आवारा मवेशी या कुत्ते खा जाते है। डर के कारण मरीज व उनके साथ आए परिजन डर के कारण पलंग छोड़ कर दूर भाग जाते कि कही हमे मार व काट न दे। स्टाफ के निक्कमेपन के कारण इन समस्या से मरीजों को रोजाना जूझना पड़ता और वे दिन भर भूख से तड़पते रहते है।

बीमारी और असुरक्षा का खतरा

गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशु के लिए कहा जाता है कि, उनके लिए बनाए गए वार्ड बेहद संवेदनशील होते हैं। लेकिन जमीन पर लेटने से बीमारी का खतरा तो बना ही है, साथ ही आसपास घूम रहे आवारा कुत्तों की वजह से असुरक्षा का खतरा भी बना हुआ है।

हर तरफ फैली गंदगी ही गंदगी

मरीज तो खुद अपनी बीमारियो से झुझता रहता है और मरीज के साथ आते लोग ये गंदगी को देख कर बीमार हो जाते। वही कई बार मरीज के साथ आए परिजन को भी हॉस्पिटल में गंदगी कारण बीमार होकर भर्ती होना पड़ता है

इनका कहना है...

वही सीएचएमओ राजू निंदारिया से जब चर्चा की गई तो उन्होंने बड़ी ही बेशर्मी से कह दिया कि, आप समाचार मत लगाओ, मैं रविंद्र गुप्ता को बोल देता हूं। अच्छा रहा आपने मामला मेरे संज्ञान में लाएं।

जब इस विषय में डाक्टर रविंद्र गुप्ता से बात करना चाहा तो उन्होने फोन उठाना उचित नहीं समझा।

महाकाल लोक की तर्ज पर बनेगा विरूपाक्ष महादेव मंदिर

जिले के विरूपाक्ष महादेव मंदिर के विस्तार की योजना पर काम गति पकड़ेगा

माही की गूंज, रतलाम।

उज्जैन में महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद अब रतलाम जिले के विरूपाक्ष महादेव मंदिर के विस्तार की योजना पर काम गति पकड़ेगा। इसके लिए मंदिर क्षेत्र के करीब बने 32 आवास अब तक हटाए जा चुके हैं, शेष रहे 10 आवासों को हटाकर अन्य स्थान देने का काम दीपावली बाद होगा। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में बिलपांक के प्राचीन विरुपाक्ष महादेव मंदिर में काशी व महाकाल की तर्ज पर कॉरिडोर निर्माण की तैयारी की जा रही है। मंदिर भारत के पर्यटन नक्शे में सम्मिलित होगा। मंदिर के कॉरिडोर निर्माण पर लगभग साढ़े 3 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। कुछ राशि शासन तो कुछ जनसहयोग से एकत्र होगी। विधायक दिलीप मकवाना ने भी विधायक निधि से राशि की घोषणा की है। जिले में विरुपाक्ष महादेव का मंदिर अपनी रोचक दास्तान के साथ इतिहासकारों के लिए लंबे समय से चर्चा का विषय बना हुआ है। यह मंदिर गुर्जर चालुक्य शैली (परमार कला के समकालीन) का मनमोहक उदाहरण है। वहां के स्तम्भ व शिल्प सौंदर्य इस काल के चरमोत्कर्ष को दर्शाते हैं। वर्तमान मंदिर से गुजरात के चालुक्य नरेश सिद्धराज जयसिंह संवत् 1196 का शिलालेख प्राप्त हुआ है। इससे ज्ञात होता है कि महाराजा सिद्धराज जयसिंह ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था। रतलाम से 20 किमी दूर एक छोटे से गांव बिलपांक में प्राचीन विरुपाक्ष महादेव मंदिर है, जो एक वर्ल्ड हेरिटेज साइट है।

मान्यता है कि, इसके गर्भगृह में जो शिवलिंग है उसमें चमत्कारी शक्तियां है। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने निर्माण कार्य में मदद के लिए कई बैठक ली है व आर्थिक रुप से मदद मिलना शुरू भी हो गई है। जिला कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी ने बताया कि, विरूपाक्ष महादेव मंदिर को महाकाल लोक की तरह बनाने की योजना है। इस पर शुरुआती काम शुरू हो गया है।

अवैध हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले की पिपलिया मंडी थाना पुलिस ने अवैध पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने हवा में पिस्टल लहराते हुए वीडियो वायरल किया था। पिपलियामंडी थाना टीआई नरेंद्र यादव ने बताया कि सोशल मीडिया पर पिस्टल लहराते हुए हवा में फायरिंग करने वीडियो वायरल हुआ था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी दशरथ पिता रतनलाल गुर्जर (45) निवासी खेड़ाखदान को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक पिस्टल और जिंदा राउंड कारतूस बरामद किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही हैं।

दोस्त से बनवाया वीडियो, सोशल मीडिया में अपलोड किया

जानकारी के अनुसार आरोपी दशरथ गुर्जर ने अपने दोस्तों के साथ अवैध पिस्टल से हवा में फायर करते हुए एक वीडियो शूट करवाया था। यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होते हुए पिपलिया मंडी पुलिस के पास पहुंचा, इसके बाद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

उत्साह पूर्वक मनेगा करवा चौथ का व्रत, सजा है बाजार

माही की गूंज, मंदसौर।

करवा चौथ का पर्व आज शहर सहित जिले में परंपरागत ढंग से मनाया जाएगा। बाजार में इसे लेकर दुकानें सज चुकी है तो फूटपाथ पर भी पर्व को लेकर करवों से लेकर छलनी को सजाकर बेचा जा रहा है। करवों की खरीदी के लिए महिलाएं बाजार में पहुंच रही है। महिलाओं के लिए इस पर्व का विशेष महत्व होता है। प्राचीन मान्यताओं के चलते करवा चौथ का यह पर्व महिलाओं के लिए अहम है। बाजार में करवों से लेकर छलनी की खूब बिक्री हुई हो रही है। महिलाएं इस दिन दिनभर निर्जल रहकर अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर व्रज रखेगी और रात को चांद की पूजा कर सुहाग की लंबी उम्र की कामना करेगी। करवा चौथ का व्रत कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन मूल रूप से भगवान गणेश, मां गौरी और चंद्रमा की उपासना होती है। चंद्रमा को मन, आयु, सुख और शांति का कारक माना जाता है इसलिए चंद्रमा की पूजा महिलाएं सुख, शांति और पति की लंबी आयु की कामना करती हैं।

करवा चौथ का इन पौराणिक कथाओं के कारण है महत्व

पुराणों के अनुसार चंद्रमा नक्षत्रों में रोहिणी नक्षत्र को अत्यधिक प्रेम करता है। उसकी स्थिति इसी नक्षत्र पर होने से वह प्रेम प्रवर्धन की समृद्धि करने वाला योग निर्मित कर रहा है। यह व्रत सुहागिनें अपने पति के मंगल और समृद्धि के लिए करती हैं। कहा जाता है कि, पांडवों पर घोर विपत्ति का समय आया। तब द्रौपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का आह्वान किया। श्रीकृष्ण ने कहा था कि यदि तुम भगवान शिव के बताए हुए व्रत करवाचौथ को आस्था और विश्वास के साथ संपन्न करोगी तो समस्त कष्टों से मुक्त हो जाओगी। समृद्धि स्वयं ही प्राप्त हो जाएगी। मगर ध्यान रखना व्रत के दौरान भोजन, पानी वर्जित है।

करवा चौथ की शुरुआत देवताओ पत्नियों ने की

वहीं अन्य पौराणिक मान्यताओं के अनुसार देवताओं की पत्नियों ने उनकी मंगलकामना और असुरों पर जीत पाने के लिए करवा चौथ जैसा व्रत रखा था। वहीं एक बार असुरों और देवों में युद्ध छिड़ गया। ऐसे में सारे देवता ब्रह्मा के पास असुरों को हराने का उपाय जानने गए। ब्रह्मा ने देवताओं की समस्या को पहले से जानते थे। उन्होंने देवताओं से कहा कि, वो अपनी-अपनी पत्नियों से कहें कि वो अपने पति की मंगलकामना और असुरों पर विजय के लिए व्रत रखें। वहीं राजा सत्यवान और उसकी पत्नी थी। सावित्री की कथा का भी इस पर्व पर विशेष महत्व बताया गया है। कहा जाता है कि सावित्री ने पति को पुर्नजीवित कर दिया था। इसका धार्मिक के साथ वैज्ञानिक महत्व भी है।

मौत को खुला आमंत्रण देता रानोगंज नेवज पुल

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

शुजालपुर तहसील मुख्यालय से 5 किलोमीटर बने नेवज नदी पुल से कई जगहों पर काफी जर्जर हो चुका है, इस और किसी भी जनप्रतिनिधि का कोई ध्यान नहीं है। पूल के बीचो-बीच सेंटर में नीचे का हिस्सा जर्जर हो गया है और उसमें लगे सरिये स्पष्ट साफ दिख रहे हैं। पुल कभी भी किसी समय भी टूट सकता है और बड़ा हादसा घट सकता है। क्या बड़ा हादसा हो इसका भी शासन को इंतजार है...? की चर्चा क्षेत्र में बनी हुई है।

वही ऊपरी हिस्से की बात करें तो वह भी दो जगह से काफी जर्जर हो चुका है। कई जगह पर बड़े-बड़े सरिये बाहर निकले दिख रहे हैं, जिसके कारण बाइक सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। राज्य स्कूल शिक्षा मंत्री व सामान्य प्रशासन इंदरसिंह परमार से लेकर कलेक्टर व कई आला अधिकारी इसी मार्ग से आए दिन गुजरते हैं। हो सकता है कि, उनके ड्राइवर गड्ढे बचाकर साइड से गाड़ी निकाल लेते होंगे इसलिए उनकी निगाह नही पड़ती होगी...! पूर्व में भी इस जर्जर पुल पर गिरने से हुए एक्सीडेंट के कारण उचोद निवासी की मौत हो चुकी है। जिस पर भी किसी जनप्रतिनिधि से लेकर शासन ने घटिया निर्माण करने वाले ठेकेदार पर कोई कार्रवाई नहीं की गई और उसे पनाह दी गई। पुल के साईड में लगी दुर्घटना को कंट्रोल करने वाली रेलिंग को भी असामजिक तत्वों द्वारा खोल कर कबाड़े में बेच दिया गया, जिससे रेलिंग पुरी तरह नीचे झूल रही है। माही की गूंज लगातार जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को अवेध गतिविधियों से अवगत कराता आया है।

वही पूरे मामले में एमपीआरडीसी अभिषेक गोकुरू का कहना है कि, कल हमारी टीम इस सेक्टर की टीम बुलाई है, बाहर से वो निरीक्षण करेंगे, एक-दो दिन में काम स्टार्ट कर देंगे।

जब इस संम्बध में एसडीएम सतेन्द्र सिंह से चर्चा करना चाही तो जानकारी देने से बचने के लिए फोन अटेड़ नही किये।

नशे के कारोबार के नाम पर छोटे-मोटे प्रकरण बना कर खानापूर्ति कर रही पुलिस

माही की गूंज ,पेटलावद।

शराब ठेकेदार द्वारा भेजी जा रही है घर-घर शराब, स्टॉक और बिक्री की जांच में हो सकता है बड़े खेल का खुलासा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नशे के कारोबार पर रोक लगाने और कार्यवाही के निर्देश के बाद स्थानीय पुलिस सक्रिय होकर अवैध शराब की बिक्री करने वाले ढाबों और दुकानों पर कार्यवाही करते देखे जा रहे है। ये कोई नई बात नही है कि, पुलिस इस तरह से अवैध शराब को लेकर सक्रिय हुई है, थाना प्रभारी के बदलने और साल के अंत मे ऐसी कार्यवाही अक्सर देखी जाती है जो अवैध व्यवसाय में लिप्त लोगो से मासिक बंदी बढ़ाने या फिर प्रकरण की पूर्ति के लिए की जाती है। वर्तमान में पुलिस ये कार्यवाही मुख्यमंत्री के आदेश के बाद कर रही है, जिसमे कच्ची महुवे की शराब और ढाबों को निशाना बना कर कार्यवाही की जा रही है ।

शराब ठेकेदार के खिलाफ कब होगी कार्रवाई

वैध दुकान की आड़ में शराब ठेकेदार द्वारा अवैध रूप से जगह-जगह अवैध शराब परोसी जा रही है। कई दुकानों से जप्त की गई देशी ओर विदेशी शराब की जाँच की जाये तो बड़ी मात्रा में सप्लाई की कई शराब ठेकेदार द्वारा दी गई ही मिलेगी। पुलिस और आबकारी अभी तक शराब ठेकेदार के भंडारण और बिक्री की जांच नही कर पाए है। अगर पुलिस ठेकेदार द्वारा स्टॉक की गई शराब और बिक्री की जांच करे तो अवैध शराब की बिक्री के बड़े खेल का खुलासा हो सकता है ।

पुलिस थाना रायपुरिया क्षेत्र में पकड़ी शराब

थाना रायपुरिया क्षेत्र में सोमवार को पुलिस अधीक्षक अगम जैन के द्वारा चलाये जा रहे नशामुक्ति अभियान एवं अवैध शराब माफियाओ के खिलाफ अभियान के दौरान एसडीओपी सौनु डावर के मार्ग दर्शन मे टीम गठीत की जाकर थाना रायपुरिया के दल कि मदद से जगह-जगह अवैध शराब एवं अन्य नशा सामग्री कि, धरपकड के दौरान मुखबीर से मिली सुचना के अनुसार ग्राम भेरुपाडा, बेकल्दा मे रोड किनारे ढाबे पर रायपुरिया पुलिस दल द्वारा दबिश दी गई, जहा पर भारी मात्रा मे अंग्रेजी, देशी व कच्ची शराब का जखीरा मीला जिस पर कार्यवाही करते हूए आबकारी एक्ट मे शराब कच्ची-पक्की मौके पर करिबन 60 लीटर शराब जप्त की एवं आरोपी अंतरसिंह उर्फ अंतिम पिता रायसिंह जाति बंजारा निवासी भेरुपाडा (बेकल्दा) को मौके से गिरफ्तार किया। एसडीओपी सौनु डावर ने शराब ठेकेदार पर कार्यवाही करने के विषय मे बताया कि, अवैध रूप से पकड़ी गई शराब के बेच नम्बरो की जांच की जाएगी और ठेकेदार के स्टॉक बिक्री ओर भण्डारण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

जिले में फिर तेज हो रही डेंगू की रफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में डेंगू का खतरा बरकरार हैं। सीतामऊ तहसील में 14 माह की बालिका की निजी अस्पताल में डेंगू से मौत का मामला सामने आया है। उसकी डेंगू टेस्ट रिपोर्ट आईजीजी पॉजिटिव आई थी। अब अमला एलाइजा टेस्ट की आड़ में हकीकत छिपा रहा है। सवाल यह है कि जब प्रशासन आईजीजी टेस्ट को मान्य नहीं कर रहा तो निजी लैब में इसकी अनुमति क्यों प्रदान की है। विभाग अब तक डेंगू से एक भी मौत का केस सामने नहीं आने का दावा कर रहा है।

जिले में वर्तमान में सरकारी आंकड़ों में डेंगू पॉजिटिव की संख्या 7 है। जबकि शहर के निजी अस्पतालों में रोज 4 से 5 मरीज पहुंच रहे हैं। पिछले वर्ष से इस बार डेंगू का प्रकोप कम है लेकिन फिर भी इसके दंश से लोग अछूते नहीं हैं। सीतामऊ तहसील के कम्माखेड़ी गांव के अंबालाल शर्मा ने बुखार आने पर 14 माह की बेटी सिद्धि को निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। निजी लैब में कराई डेंगू की जांच में 30 सितंबर को आईजीजी रिपोर्ट वीकली पॉजिटिव आई। भर्ती करने बाद डॉक्टर बच्ची को रिकवर नहीं कर पाए और 8 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई।

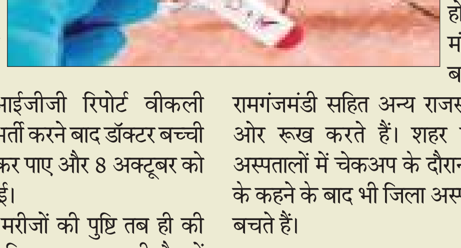

विभाग द्वारा मरीजों की पुष्टि तब ही की जाती है, जब वह जिला अस्पताल की लैब में एलाइजा टेस्ट कराए। ऐसे में सवाल है कि शहर में 30 से अधिक निजी लैब में उस जांच की अनुमति क्यों दे रखी है जो विभाग मानता ही नहीं। विभाग द्वारा एलाइजा टेस्ट की रिपोर्ट के बाद ही डेंगू मरीज की पुष्टि की जाती है। जिले में एलाइजा टेस्ट की सुविधा सिर्फ जिला अस्पताल में है। गरोठ, भानपुरा सहित अन्य क्षेत्र के मरीज अधिक दूरी होने के चलते मंदसौर आने से बचते हैं और रामगंजमंडी सहित अन्य राजस्थान क्षेत्र की ओर रूख करते हैं। शहर में भी निजी अस्पतालों में चेकअप के दौरान चिकित्सकों के कहने के बाद भी जिला अस्पताल जाने से बचते हैं।

पूर्व में भी इन मामलों में जिम्मेदारों ने किया है इनकार

17 सितंबर 2021 को नपा में आउटसोर्सिंग कर्मचारी की जिला अस्पताल में मौत हो गई। चिकित्सकों का कहना था कि डेंगू पॉजिटिव था लेकिन झटके आ रहे थे, जो डेंगू के लक्षण नहीं थे।

19 सितंबर को 2021 को सीतामऊ क्षेत्र में 14 वर्षीय बालिका डेंगू पॉजिटिव थी। इसके बाद मौत हो गई। अधिकारियों ने इसे भी सरकारी आंकड़ों में शामिल नहीं किया है।

मौत का कोई केस नहीं आया सामने

वही मलेरिया अधिकारी दीपा पाठक ने बचकाना बयान देते हुए बताया कि, जिला अस्पताल में जितने भी एलाइजा टेस्ट हुए हैं। इनमें से एक भी मौत का प्रकरण सामने नहीं आया है। निजी अस्पतालों की जानकारी हमारे पास नहीं है। सरकारी आंकड़ों में 7 एक्टिव केस हैं। शासन के निर्देशानुसार सरकारी आंकड़ों में एलाइजा टेस्ट के बाद ही मरीज की पुष्टि की जाती है। निजी अस्पतालों को भी सूचना देना होती है।

जिला विधिक साक्षरता शिविर एवं जेल निरीक्षण का किया आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के तत्वाधान में 12 अक्टूबर को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमान मोहम्मद सैय्यदुल अबरार के निर्देशानुसार एवं विशेष न्यायाधीश महेन्द्र सिंह तोमर अध्यक्षता एवं जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ लीलाधर सोलंकी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गौतम सिंह मरकाम, न्यायिक मजिस्ट्रेट विजय पाल सिंह चौहान एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी सागर अग्रवाल की उपस्थिति में विधिक साक्षरता शिविर एवं जेल निरीक्षण का आयोजन किया गया। निरीक्षण में जेल के अंदर सब कुछ सामान्य मिला। किसी कैदी ने किसी प्रकार की शिकायत नहीं की। इस मौके पर श्री तोमर ने कैदियों को निःशुल्क विधिक सहायता, प्लीबारगेनिंग के साथ ही कैदियों को अधिकारों और दायित्वों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान कुछ बंदियों ने अधिवक्ता मुहैया करवाने की मांग की इसके बाद जेलर को इस संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ को पत्र भेजने के निर्देश दिए गए। शिविर में बंदियों की समस्याऐं भी सुनी गई और उनके समाधान का आश्वासन दिया गया।

श्री सोलंकी ने विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रचलित योजनाओं के विषय में अवगत कराते हुये यह बताया गया कि, शिविर का उद्देश्य जेल में निरूद्ध बंदियों को विधिक जानकारी प्रदान किया जाना है तथा यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बंदी को हर दशा में न्याय प्राप्त हो। शिविर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री गौतम सिंह मरकाम द्वारा बताया गया कि यदि किसी बंदी के पास अधिवक्ता की सुविधा उपलब्ध नहीं है तो उसे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अपने मुकदमे की पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता की सुविधा प्रदान की जाती है।

शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट विजय पाल सिंह ने बताया कि, जेल में लीगल एड क्लीनिक की स्थापना की गई है जिससे किसी बंदी को कोई समस्या हो तो वह जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से कानूनी सहायता प्राप्त कर सकता है। न्यायाधीशगणों के द्वारा महिला एवं पुरूष बंदियों के अलग-अलग बैरिक, पाक शाला एवं जेल चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया गया तथा पाक शाला में भोजन की गुणवत्ता की जांच की। तथा महिला बैरक में महिला बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ कि है।

महिला बंदियों द्वारा बताया गया कि, समय से नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराया जाता है किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। उक्त शिविर में जेल अधीक्षक दुष्यंत कुमार पगारे, उप अधीक्षक राजेश विश्वकर्मा, सहायक अधीक्षक भीमसिंह रावत एवं जेल स्टॉफ उपस्थित रहें।

नशा मुक्ति अभियान के तहत आबकारी विभाग ने की कार्रवाई

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के निर्देशन में तथा जिला आबकारी अधिकारी दीपक के मार्गदर्शन में जिला उड़नदस्ता प्रभारी आनंदपाल सिंह मंडलोई के नेतृत्व में वृत्त बड़वानी में ग्राम छोटी कसरावद, सेगाव, वृत्त अंजड़ के ग्राम लोहारा, अंजड शहर, ग्राम गोलानिया, ग्राम बागड़ी, वृत राजपुर के ग्राम खजुरी, बजट्टा, जुलवानिया, राजपुर, वृत सेंधवा के ग्राम, सिलदर, चटली, मोगरी खेडा, वृत खेतिया के ग्राम ,जूनापानी, गोरीखेड़ा, धारणगांव, जलगोन, दोंदवाडा में कुल 20 प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित की धारा 34/1,36, 36। के तहत पंजीबद्ध किए गए। इस दौरान एबी रोड, बड़वानी ठीकरी रोड के होटल, ढाबों की चैकिंग, संवेदनशील स्थानों पर औचक वाहन चैकिंग तथा दबिश कार्रवाई की गई। कार्रवाई में 150 बाटल महुवा निर्मित हाथभट्टी शराब, 3 हजार 910 किलोग्राम महुआ लहान, 32 पाव प्लेन देशी मदिरा, 14 पाव विस्की, 6 कैन बीयर इस प्रकार कुल 2 लाख 14 हजार 401 रुपए अनुमानित मूल्य की अवैध मदिरा जब्त की गई। मौके पर ग्रामीणों को अवैध मदिरापान के दुष्प्रभाव से अवगत करवाया गया व नशामुक्ति हेतु प्रेरित किया गया। उक्त कार्रवाई में सहायक निरीक्षक बीएस जमरा, केके शर्मा, संदीप सिंह चौहान, केएस मांगोंदिया, कमलेश बामनिया, हेड कांस्टेबल राजेंद्र जायसवाल, दिलीप जायसवाल, आरक्षक सुदेश आचार्य, हुकुमचंद पाटीदार, श्रीमती गंगा सोलंकी, इरफान अली का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नशा मुक्त हो समाज, आमजन से झाबुआ पुलिस की अपील

माही की गूंज, झाबुआ। जिले में नशा मुक्ति अभियान और हेलमेट के प्रति जागरूकता अभियान में विशेष रुप से स्कूलों व महाविद्यालयों में जाकर जागरूकता का कार्य किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं को नशे से होने वाली हानियों जैसेः पारिवारिक विघटन, आर्थिक, सामाजिक, शारिरीक और मानसिक हानि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि, आप अपने घर पर जाकर अपने घर में जो भी नशा करता है, उनको नशे के सेवन से दूर रहने हेतु आग्रह करे एवं आप स्वयं भी भविष्य में इस प्रकार के व्यसनों में ना पड़े, इस हेतु शपथ भी दिलाई गई।

झाबुआ की आम जनता को संकल्प दिलाया गया कि, ÷हम संकल्प लेते हैं कभी नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करेंगे÷। जागरूकता अभियान में उपस्थित जन समुदाय को बताया गया कि, बेहतर जीवन के लिए नशे से दूर रहना ही समझदारी है। नशे की लत ऐसी है जो कि, छूटने के उपरांत ही इसके दुष्परिणामों का एहसास होता है। करवड के खेल मैदान में क्रिकेट खेलने के दौरान खिलाड़ियों को नशे से दूर रहने हेतु मार्गदर्शित किया गया एवं बताया गया कि, खिलाड़ियों को तो विशेष ध्यान रखना चाहिए एवं नशे से दूर रहना चाहिए, तभी हम खेलों में गोल्ड मेडल ला सकते है।

संबल योजना के हितग्राहियों को राशि का वितरण

माही की गूंज, बड़वानी। मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना की अनुग्रह सहायता राशि अंतर्गत प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सिंगल क्लिक से 15 हजार 948 श्रमिक परिवारों को 345 करोड़ 59 लाख रुपए की अनुग्रह सहायता राशि वितरण की गई। जनपद पंचायत पाटी में भी संबल योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत जूनाझिरा के हितग्राही श्रीमती दुर्गा बाई जगदीश, रंजीत-बोडगा, श्रीमती मिला बाई सामा को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि अध्यक्ष जनपद पंचायत पाटी थानसिंह सस्ते ,जनपद पंचायत पाटी सीईओ अफसार खांन, जनपद सदस्य बंटू भाई, ग्राम के सरपंच कैलाश वास्कले, मंडल अध्यक्ष ओमासिया भाई, राहुल पटेल ने हितग्राहियों को सहायता राशि का वितरण किया गया।

श्रमिकों को अनुग्रह सहायता राशि वितरण

माही की गूंज, झाबुआ।

मुख्यमंत्री द्वारा दशहरा मैदान जिला रायसेन से प्रदेश के श्रमिकों को वर्चुअली अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया गया। जिसमें झाबुआ जिले से संबल योजना अंतर्गत 241 हितग्राहियों को 5 करोड़ 26 लाख रूपये का अंतरण किया गया एवं कर्मकार मंडल के अनुग्रह सहायता योजना अंतर्गत 36 हितग्राहियों को 78 लाख रूपये का अंतरण किया गया। जिला स्तर पर यह कार्यक्रम आजीविका भवन में आयोजित किया गया था। इस आयोजन में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, अपर कलेक्टर एसएस मुजाल्दा, डिप्टी कलेक्टर तरूण जैन एवं जनप्रतिनिधियों और बडी संख्या में स्वयं सहायता समूह की महिलाए तथा संबल योजना के हितग्राहि उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा माँ सरस्वती एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण किया। कार्यक्रम स्थल पर कलेक्टर एंव जनप्रतिनिधियों के द्वारा पांच हितग्राहियों को प्रतिक स्वरूप संबल योजना के चैक प्रदान किए। इस दौरान जिला प्रबंधक आजीविका परियोजना देवेन्द्र श्रीवास्तव, सीईओं जनपद पंचायत अर्पित गुप्ता, जनपद पंचायत के पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

नगर पालिका के सहयोग से महिला केंटीन का शुभारंभ

माही की गूंज, बड़वानी।

दीनदयाल राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन नगर पालिका सेंधवा के माध्यम से महाकाल केंटीन का अस्पताल परिसर में नपा अध्यक्ष श्रीमती बसंती बाई यादव, एसडीएम तपस्या परिहार उपाध्यक्ष अशोक (छोटू) चौधरी व पार्षदगणों की उपस्थिति में केंटीन का उद्घाटन किया गया। समूह की महिलाओं में केंटीन को लेकर बहुत उत्साह देखा गया। इस केंटीन के माध्यम से बाजार भाव अनुसार चाय, पोहा, समोसा, कचोरी, एवम् नूडल्स मंचूरियन, साथ ही टिफिन सुविधा भी उपलब्ध कराई जायेगी। इसके पूर्व में भी निकाय द्वारा पीजी कॉलेज परिसर में विनायक स्व सहायता समूह का अध्यक्ष श्रीमती बसंतीबाई यादव व एसडीएम सेंधवा श्रीमती तपस्या परिहार द्वारा उद्घाटन किया गया।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के सिटी मिशन मैनेजर अनसिंग बिलवाल, स्वाति झाडेकर द्वारा बताया गया कि, शहरी क्षेत्र सेंधवा में कुल 200 से अधिक स्वयं सहायता समूह संचालित हैं। जिनके सशक्तिकरण के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में समूह की 12 महिलाओं को नगर पालिका के सहयोग से दस दिवसीय केंटीन प्रशिक्षण दिलवाया गया। इसके पश्चात नगर पालिका के सहयोग से समूह को एक लाख रुपए का बैंक ऋण दिलाया गया जिससे केंटीन में लगने वाली आवश्यक सामग्री क्रय की गई।

मोटर साईकल सहित दो आरोपी गिरफ्तार

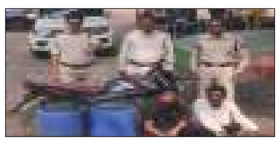

माही की गूंज, खरगोन। आबकारी पुलिस ने अवैध मदिरा विक्रेताओं के विरूद्ध कार्रवाई की गई। आबकारी दल ने महेश्वर, मंडलेश्वर नगर के होटल/ढाबों पर तलाशी व निगरानी के नतीजतन अवैध मदिरा विक्रय पर नियंत्रण के फलस्वरूप अवैध हाथभट्टी मदिरा को नगर में खपाने का प्रयास आरोपियों द्वारा किया गया। विभाग ने अलसुबह अवैध मदिरा परिवहन की सूचना पर आबकारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। भिलटदेव मंदिर, महेश्वर रोड पर नाकाबंदी कर मोटर साईकल क्र. एमपी 10 एमटी 5234 की तलाशी के दौरान बोरियों में रखे प्लास्टिक पाउचों में भरी कुल 72 लीटर हाथभट्टी मदिरा गोविंद पिता दल्लू डाबर नि. केरियाखेड़ी व सरदार पिता भूरा डाबर नि. खारिया के कब्जे से जब्त की गई। आरोपियों के विरुद्ध वृत्त प्रभारी मोहनलाल भायल, आबकारी उपनिरीक्षक ने मप्र आबकारी अधिनियम की धारा 34 (2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

जिले में ही होगी नोनिहालो की करेक्टिव सर्जरी

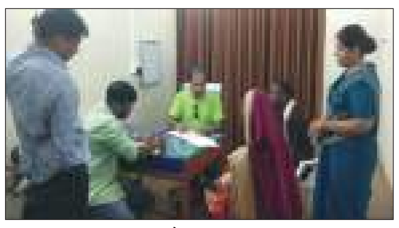

माही की गूंज, बड़वानी। प्रत्येक जिले वासियों को जिले में ही आयुष्मान योजना अंतर्गत स्वास्थ्य सुविधाएं मानक स्तर पर उपलब्ध हो इस हेतु कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश पर जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं में बुधवार को एक नया आयाम जुड़ गया है। अब ऐसे बच्चे जिन्हे करेक्टिव सर्जरी के लिए इंदौर जाना पड़ता था उन्हे अब सर्जरी आयुष्मान योजना अंतर्गत आशाग्राम ट्रस्ट द्वारा संचालित आशा हॉस्पिटल में विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी। इस हेतु आशाग्राम ट्रस्ट में असेसमेंट शिविर का आयोजन बुधवार को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत किया गया। शिविर में 23 बच्चे पंजीकृत हुए जिनमें बड़वानी जिले के 19 बच्चे एवं दो-दो बच्चे धार एवं अलीराजपुर जिले से शिविर में पंजीकृत हुए। सभी बच्चों का परीक्षण हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ अवधेश स्वर्णकार के द्वारा किया गया। जिसमें उन्होंने आठ बच्चों का चयन करेक्टिव सर्जरी हेतु किया गया। वहीं शेष बच्चों को आवश्यक परामर्श प्रदान कर जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र से सपोर्टिंग डिवाइस एवं व्यायाम हेतु परामर्श दिया गया।

युवा उत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

पीजी कॉलेज में अंतर कक्षा महाविद्यालयीन स्तर पर युवा उत्सव शुरू

माही की गूंज, खरगोन।

पीजी कॉलेज खरगोन में दो दिवसीय अंतर कक्षा महाविद्यालयीन स्तर युवा उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा तथा युवा उत्सव प्रभारी डॉ. डीएस बामनिया के मार्गदर्शन में पहले दिन प्रश्न मंच, वाद-विवाद एवं परिचर्चा, चित्रकला, पेंटिंग कॉलाज, क्लेमॉडलिंग, पोस्टर मेकिंग इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मक कला का प्रदर्शन किया।

प्राणीशास्त्र विभाग में वन्य जीव सप्ताह का आयोजन सम्पन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

शहीद चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में अवर सचिव, मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार युवा उत्सव 2022-23 का आयोजन दिनांक 10 से 12 अक्टूबर को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्राचार्य डॉ. जे. सी. सिन्हा द्वारा किया गया। युवा उत्सव के अंतर्गत 22 प्रतियोगिताओं में छात्रों ने अपनी प्रतिभागीता दी। सफल प्रतिभागियों को प्राचार्य डॉ. जे. सी. सिन्हा और प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रविंद्र सिंह द्वारा पुरस्कृत गया और उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. कुंवरसिंह चौहान, डॉ. अंजना अलावा, डॉ. लोहारसिंह ब्राह्मणे, डॉ. हरिओम अग्रवाल, डॉ. रीता गणावा, प्रोफेसर पी.एस. डावर, डॉ. मनीषा सिसोदिया, डॉ. रवि विश्वकर्मा, डॉ. पुलकित आनंद, डॉ. अमित कुमार गौवरी, प्रोफेसर पंकज बारिया, प्रोफेसर प्रीति मालवीय, डॉ. रंजना रावत, डॉ. राजू बघेल, प्रोफेसर जैमाल डामोर, डॉ. एस.के. सिकरवार, प्रोफेसर दिलीप कुमार राठौर, डॉ. एस.एस. चौहान थे तथा युवा उत्सव प्रभारी डॉ. प्रदीप कटारा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रदान की।

संजा माता पर किया कार्यशाला का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी। निमाड़ की लोक संस्कृति को बचाने के लिए निमाड़ लोककला व संस्कृति संस्था, डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय, खंडवा के तत्वाधान में निमाड़ी लोकपर्व ÷संजा माता की छाबडी कैसे बनाओ÷ कार्यशाला का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर बड़वानी में किया गया। निमाड़ का लोक पर्व संजा माता किस प्रकार गाय के गोबर से बनाई जाती है, क्या-क्या बनाया जाता है, कब मनाया जाता है इस बारे में कार्यशाला के दौरान बताया गया। आयोजन डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय के निमाड़ लोककला एवं संस्कृति संस्था द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण जोशी, कुलसचिव रवि चतुर्वेदी व डॉ. रामजी परिहार उपस्थित रहे। प्रशिक्षण श्रीमती महिमा सराफ द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मंजुला जोशी और निशा गुप्ता ने किया। आभार अर्चना पुरोहित ने माना।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के आगामी जीवन के लिए कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं

माही की गूंज, झाबुआ।

30 सितम्बर को विभिन्न विभागों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों का विदाई समारोह 12 अक्टूबर बुधवार प्रातः 11 बजे कलेक्टर सभागृह में श्रीमती रजनीसिंह कलेक्टर जिला झाबुआ (आई.ए.एस.) की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कलेक्टर जिला झाबुआ श्रीमती रजनीसिंह (आई.ए.एस.) ने सितम्बर में विभिन्न विभागों के अधिकारी/कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने पर पुष्पमाला, शाल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया साथ ही उनके स्वत्व से संबंधित आवश्यक दस्तावेज पीपीओ/जीपीओ प्रदान किए गए।

कलेक्टर ने अपने उद्बोधन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों से कहा कि, आपको प्राप्त पीपीओ/जीपीओ आपके द्वारा जीवनभर की गई सेवा किसी भी विभागीय जॉच अन्य कार्यवाही प्रचलित नहीं होने का एक प्रमाण है सेवाकाल के दौरान सामाजिक पारिवारिक दायित्व जिनमें सहभागिता नहीं की गई उसे अब आप निश्चित होकर पूर्ण करे साथ आगामी जीवन के लिये शुभकामनाये दी गई। कार्यक्रम के प्रारम्भ में जिला पेंशन अधिकारी एवं कोषालय अधिकारी श्रीमती ममता चंगोड ने स्वागत भाषण दिया। इस सम्मान सह बिदाई समारोह में रामसिंग मचार, बसु मेडा, कोदासिंह बामनिया, प्रेमनारायण अहिरवार, राधेश्याम श्रीवास्तव, कुलदीप सिंह पंवार, तोलसिंह मावी, जमील हुसेन कुरैशी, छगनलाल कटारा, खेमलाल भूरिया, कुँवरसिंह चौहान, श्रीमती शांति मचार को सेवानिवृत्त होने पर पुष्पमाला शाल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

नागपुर के कृषि वैज्ञानिकों ने जिले के खेतों का किया निरीक्षण

माही की गूंज, खरगोन।

केन्द्रीय कपास अनुसंधान केन्द्र नागपुर (महाराष्ट्र) के कृषि वैज्ञानिकों के दल ने जिले में भ्रमण किया। दल ने यहाँ कपास फसल के निरीक्षण से पूर्व प्रशिक्षण में कृषको से चर्चा की। बमनाला एवं घुघरियाखेडी में वैज्ञानिक दल एवं विभागीय अधिकारी द्वारा कृषकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों ने कपास की सम्पूर्ण कृषि कार्यमाला की जानकारी दी। इसमें कपास फसल में होने वाले रोगों एवं कीट नियंत्रण के संबंध में विस्तृत से जानकारी दी गई।

दल में शामिल वैज्ञानिकों ने कहा कि, कपास में पुष्पन आरंभ होने के साथ ही प्रति एकड़ खेत में 4 फीरोमोन प्रपंच लगाए। इनमें प्रतिदिन एकत्रित होने वाली वयस्क पंखियो का रिकार्ड रखे। जैसी ही खेत में प्रति प्रपंच 8 या अधिक पंखियॉ आने लगे तब खेत से बिना किसी भेदभाव के 10 हरे घेंटो का चयन करे, इन हरे घेंटो में इल्लियों की उपस्थिति को देखे, यदि औसत रूप से एक या अधिक घेंटो में कीट प्रकोप है तब कीटनाशको का उपयोग आरंभ करे, प्रारंभ में प्रोफेनोफास या थायडिओकार्ब या क्यूनालफास जैसे कम विषैले कीटनाशको में से किसी एक का चुनाव कर उपयोग करे, माह नवम्बर में अधिकतम फलन एवं कीट प्रकोप की स्थिति में ही लेम्डा सायहेलोथ्रिन या एमामेक्टिन बेन्जोएट या क्लोरानट्रिनिपाल या इन्डोक्साकार्ब जैसे अधिक विषैले कीटनाशको को उपयोग करे, उन्होंने कृषको से अपील की कीटनाशको को अनावश्यक मिलान से बचे, एक ही कीटनाशक का बार-बार उपयोग न करे।

नशामुक्ति अभियान के तहत पुलिस ने की अब तक की बड़ी कार्रवाई

गांजे की खेती पर दी गई दबिश, एक हजार से ज्यादा गांजे के पौधे किए जप्त, 3 आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, अलीराजपुर।

पुलिस थाना सोण्डवा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम छोटी हथवी क्षेत्र में बडे स्तर पर अवैधरूप से गांजे की खेती किए जानें की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। गोपनीय सूचना पर उक्त गांजे की खेती के संबंध में तस्दीक कराई गई, तस्दीक उपरांत पाया गया कि ग्राम छोटी हथवी मे गांजे की खेती अन्य फसलों के साथ मिश्रित कर पूरे खेत में बोया जाना पाया गया।

प्राप्त सूचना की पुष्टी होने पर अवैध गांजे की खेती मे संलिप्त आरोपियों की धरपकड हेतु कार्ययोजना तैयार की गई। उक्त घटनास्थल पर कार्यवाही के पूर्व पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर द्वारा 2 उप पुलिस अधीक्षक, 7 थाना प्रभारी एवं करीबन 130 के अन्य बल को एकत्रित कर रात्रि 11 बजे ब्रीफ किया गया। पश्चात तैयार कार्ययोजना के तहत प्रात करीबन 5 बजे पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर के नेतृत्व में संपूर्ण पुलिस बल के द्वारा ग्राम छोटी हथवी जो कि अलीराजपुर मुख्यालय से काफी दूर होकर अत्यन्त ही दुर्गम एवं पहाडी क्षेत्र मे होनें एवं नदी-नालो से होकर विषम परस्थितयों से गुजरकर दबिश दी गई। जहां पर पाया गया कि, आरोपीगणों के द्वारा वृहद स्तर पर गांजे की खेती अन्य फसलों के साथ मिश्रित कर पूरे खेत में बोई हुई है। उक्त गांजे की फसल को पुलिस टीम के द्वारा 5 खेतों में से गांजे के एक हजार 103 हरे पोधों को उखाड कर एकत्रित कर जप्त किया गया। साथ ही मौके से आरोपी जोगरसिंह पिता केमता डोडवा भिलाला (40) नि. आम्बा टेमनी फलिया ग्राम छोटी हथवी, फत्तू पिता हरसिंह मेहड़ा भील (35) नि. तड़वी फलिया ग्राम छोटी हथवी एवं भंगड़ा पिता वेरसिंह मेहड़ा भील (55) नि. गायनिया फलिया ग्राम छोटी हथवी थाना सोण्डवा जिला अलिराजपुर को गिरफतार करने मे अलीराजपुर पुलिस को सफलता प्राप्त हुई है। वहीं 2 आरोपी मौके से फरार होनें से आरोपियों की तलाश जारी है। संपूर्ण कार्रवाई में 5 आरोपियों के विरूद्ध 5 अपराध एनडीपीएस एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर अनुसंधान मे लिया गया है।

एसपी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि, अलीराजपुर पुलिस की एनडीपीएस एक्ट के तहत अब तक की सबसे बडी कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री के द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत अलीराजपुर पुलिस के द्वारा गंभीरता से कार्रवाई की जा रही है, किसी भी स्तर पर नशे के कारोबार एवं अवैध शराब के कारोबार में लिप्त असामाजिक तत्वों को को बख्शा नहीं जाएगा, इनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जावेगी। नशा मुक्ति अभियान के तहत आगे भी इसी प्रकार कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर ने उपरोक्त कार्रवाई के लिए पूरी टीम को बधाई दी एवं विभागीय प्रक्रिया अनुसार पुरस्कृत करनें की घोषणा भी की है।

पवित्र उमराह यात्रा के लिए रवाना हुआ मंसुरी परिवार

माही की गूंज, अलीराजपुर। इरशाद मंसुरी

लब्बैक अल्लाह हुम्मा लब्बैक, ला सरिका लब्बैक, मदीने वाले को हमारा सलाम कहना, की सदाओ ओर गुजारिष के बिच पवित्र उमराह यात्रा पर जाने वाले नगर के हाजी अमजद मंसुरी सपरिवार मंगलवार शाम को उमराह यात्रा के लिए रवाना हुए। इस दौरान मुस्लिम समाजजनो सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओ ने बहारपुरा के मंसूरी चौक पर उनका हार-फूल मालाओ से स्वागत कर भावभीनी विदाई दी।

उल्लैखनिय हे कि, उमराह यात्री मंसुरी अलीराजपुर से सडक मार्ग होते हुए मुंबई मे हवाई जहाज के माध्यम से 12 अक्टुंबर को सऊदी अरब के मक्का-मदीना शहर पहुंचेगे। जहां पर वह पवित्र उमराह यात्रा की सम्पूर्ण धार्मिक प्रकिया के अरकान अदा करेंगे। इस दौरान समाजजनो ने यात्रियो से मक्का-मदीना मे भारत देश एवं मध्यप्रदेश मे खुशहाली, अमन-चेन, सामाजिक सौहार्द की दुआएं करने की गुजारिश की गई।

गौरतलब है कि, इस वर्ष जिले से बडी संख्या मे मुस्लिम समाजजन उमराह यात्रा पर जा रहे है। उमराह यात्री अलग-अलग तिथियो मे उमराह यात्रा हेतु मुंबई से रवाना होंगे। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के प्रभारी शहर काजी सेय्यद हनीफ मियां, गुलशने आबाद कमेटी अध्यक्ष रफीक कुरेशी, पुर्व जिला हज कमेटी अध्यक्षद्धय मौहम्मद हुसेन पाकिजा एवं हाजी मो. आरीफ ब्लौच, गुलशने मदिना कमेटी अध्यक्ष ईस्माईल मंसूरी पाकीजा, डॉ. शकिल शैख, शायर सिराज तंहा, अफजल मंसूरी, फिरोज बाबुजी, अरशद लुहार, अय्यूब मंसूरी जाकिर मंसूरी, अरशद वारसी, सानु मंसूरी, अनवर मंसूरी, मोहशीन, शाहिद आदि ने पवित्र यात्रा पर जाने वाले मंसुरी परिवार को मुबारकबाद देते हुए विदाई दी।

मोहम्मद खालिक म.प्र. कांग्रेस पूर्व अधिकारी एवं कर्मचारी प्रकोष्ठ अलीराजपुर जिलाध्यक्ष नियुक्त

माही की गूंज, अलीराजपुर। म.प्र. कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की सहमति एवं महामंत्री प्रभारी समस्त प्रकोष्ठ जे.पी. धनोपिया के अनुमोदन से मोहम्मद खालिक चंदेरी (रिटायर्ड शिक्षक) को मध्य प्रदेश कांग्रेस पूर्व अधिकारी एवं कर्मचारी प्रकोष्ठ अलीराजपुर जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। साथ ही कांग्रेस पूर्व अधिकारी एवं कर्मचारीकर्मचारियों को संगठित कर समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करेगे। इसके साथ ही कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का काम भी यह प्रकोष्ठ करेगा। कांग्रेस पूर्व अधिकारी एवं कर्मचारी प्रकोष्ठ का गठन हर जिला स्तर पर किया है।

इस मनोनयन के बाद मोहम्मद चंदेरी ने बताया कि, जल्द ही कार्यसमिति का गठन किया जाएगा। श्री चंदेरी की नियुक्ति पर अलीराजपुर काग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश पटेल, विधायक मुकेश पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सेना पटेल, कार्यवाहक अध्यक्ष ओम राठौड़ एवं पार्षद व कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता ने बधाई दी।

क्या दो माह बाद नगर में फिर लौटेगी सट्टे की रौनक... अवैध शराब बिक्री पर कौंन कसेगा लगाम...?

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने आते ही पुलिस व्यवस्था में फेरबदल करते हुए कई थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी का स्थान परिवर्तन किया है। मात्र डेढ़ माह पहले पदस्थ हुए बामनिया चौकी प्रभारी श्याम कुमावत को एसपी ने हटाकर झाबुआ थाने पर भेज दिया है। वही नए बामनिया चौकी प्रभारी पीएस डामोर को पदस्थ किया है। नए चौकी प्रभारी ने कार्यभार भी संभाल लिया है। चौकी प्रभारी श्याम कुमावत के छोटे से कार्यकाल में ग्राम में धड़ल्ले से फलफूल रहे सट्टे के कारोबार पर रोक लगी थी। अब देखना ये है कि, किस तरह नवागत चौकी प्रभारी सट्टा व्यवसाय को चलने से रोकते है या रुकी पड़ी व्यवस्था फिर से शुरू होकर सट्टा शुरू होता है। हालांकि सट्टा खाईवाल पूरी तरह से व्यापार बन्द नही किया और गुपचुप व्यापार चालू किये हुए थे, जो नए चौकी प्रभारी के आते ही फुले नही समा रहे है और जल्द ही खुल कर व्यापार करने का दावा कर रहे है। नए चौकी प्रभारी ग्राम में अवैध धंधों जैसे शराब, सट्टे पर शिकंजा कसते है या सेटिंग कर महीना बंदी से अपना खेल शुरू करते है ये देखना होगा। ग्राम का रतलाम रोड हो या स्टेशन की तरफ वाली रोड हो या अंडा गली सभी जगह सट्टे के पाने भरने वाले खड़े रहते है और कई लोग मोबाइल के जरिये सट्टे के अवैध कारोबार में लिप्त है। मैच का सट्टा भी यहा बहुत बडी मात्रा में होता है, इस गोरख धंधे में ग्राम सहित ग्रामीण लोग भी फस कर बर्बाद हो रहे है। पुलिस अवैध शराब की तरह सट्टा खाईवालों पर भी छोटी-मोटी कार्रवाई कर छोड़ दिया जाता है। इसके बाद ये फिर से अपना अवेध धंधा चालू कर लेते है। बड़े पैमानें पर सट्टे का कारोबार करने के लिए सटोरिये पुलिस को ऊपर तक मासिक बंदी देने का दावा करते है। पुराने चौकी प्रभारी के जाते ही खाईवाल उनको निपटाने का दावा भर रहे है।

ट्रैफिक की हालत खराब, बार-बार लगता है जाम

रतलाम से पेटलावद होते हुए सीधा मार्ग झाबुआ जाता है पर पेटलावद और थांदला के बीच मे टोल होने से बड़े वाहन कर्मी टोल के पैसे बचाने के लिये बड़े वाहनों को रतलाम से बामनिया होते हुए झाबुआ ले जाते है। कुछ ही दिन पूर्व एक ट्राला चौराहे पर फस गया था। जिसके कारण 12 घन्टे तक ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ी हुई रही । रतलाम-झाबुआ मार्ग पर दिन भर भारी वाहनों की आवाजाही रहती है और ग्राम मुख्य चोराहे सहित नारेला रोड, अमरगढ़ रोड पर लगने वाली अव्यवस्थित दुकानों व पेटलावद रोड व रतलाम रोड किनारे खड़े अव्यवस्थित दो पहिया और चारपहियो वाहनो के कारण यहां दिन में दस बार जाम की स्थिति बनती है और कई बार विवाद की भी स्थिति बन जाती है। जिससे निपटाने के लिए पुलिस के पास कोई व्यवस्था नही है।

गली मोहल्ले में मिल रही शराब, ठेकेदार खुलकर कर रहे अवैध शराब सप्लाई

स्थानीय ठेकेदार द्वारा ग्राम के गली मौहल्ले में दुकानों की आड़ में व ढाबे पर अवैध शराब बेची जाती है। अवैध शराब पेटलावाद रोड, रतलाम रोड, नारेला रोड या अमरगढ़ रोड हो कई दुकानों पर अवैध शराब बेची जाती है। कई बार इन जगहों पर आबकारी पुलिस कार्यवाही के नाम पर कुछ शराब पकड़कर इतिश्री कर लेती है। कार्रवाई के बाद ये लोग फिर से पुलिस के जाते ही अवैध शराब बेचने लग जाते है और ये शराब का अवैध कारोबार बंद नही होता। यहां ठेकेदार के द्वारा लगातार अवैध शराब ग्राम में जगह-जगह भेज कर कॉउंटरो से बिक़वाई जा रही है।

सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ नातिया कॉम्पिटिशन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के पुर अनवार मौके पर हर वर्ष हैप्पी फ्रेंड सर्कल एक नातिया कॉम्पिटिशन का आयोजन करता है। जिसका आयोजन इस वर्ष 10 अक्टूबर को बढ़पुरा मस्जिद के सामने सफलतापूर्वक किया गया। इसमे जूनियर और सीनियर केटेगरी में बच्चों ने हिस्सा लेकर एक से बढ़कर एक मधुर आवाज में नाते मुस्तफा पेश की व रात्रि 3 बजे तक समां को बांधे रखा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हज़रत सय्यद हनीफ़ मियाँ साहब चीफ प्रभारी शहर क़ाज़ी अलीराजपुर व उनके पुत्र हाफ़िज़ सय्यद मोहसिन मियाँ साहब का भी पुष्पहार से सम्मान किया गया।

जूनियर केटेगरी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय क्रमशः सफिया शकील मंसूरी, इजहार इमरान अशरफी एवं तनवीर अय्यूब ख़ान रहे। सीनियर केटेगरी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय क्रमशः वसीम जमील मंसूरी, फरहीन फाजिल मंसूरी तथा कमाल अब्दुल कयूम शाह ने प्राप्त किए। जूनियर में प्रथम पुरस्कार जनाब आरिफ मनिहार ने 3 हजार 333 रुपए, द्वितीय जनाब सरफ़राज़ खान गब्बर ने 2 हजार 222 रुपए व तृतीय इनाम एक हजार 555 रुपए जुगाड़ टायर्स की तरफ से पेश किए गए।

वही सीनियर केटेगरी में प्रथम पुरस्कार विधायक प्रतिनिधि फ़िरोज़ मंसूरी ने 3 हजार 333 रुपए, द्वितीय जनाब मुजीब कुरेशी एडवोकेट ने 2 हजार 222 रुपए व तृतीय हज़रत मखदूम अशरफ फाउंडेशन ने एक हजार 555 रुपए पेश किए। सभी छह विजेताओं को मोमेंटो व पेन भी भेंट किया गया। इसके साथ ही सभी प्रतियोगियों को प्रशस्ति पत्र व सांत्वना पुरस्कार हैप्पी फ्रेंड्स सर्कल की ओर से भेंट किए गए। साथ ही सभी समाजाध्यक्षों व धर्मगुरुओं को प्रतीक चिन्ह के रूप में पेन भेंट की गई जिसका उद्देश्य प्रतीकात्मक रूप से शिक्षा का महत्व बताना था।

हैप्पी फ्रेंड्स सर्कल के सभी मेम्बरों दानिश मंसूरी (सेबा), जुनेद मंसूरी, मुस्तफ़ा रज़ा अशरफ़ी व सलमान जोया ने सभी धर्मगुरुओं, मुख्य अतिथियों, सभी समाजाध्यक्षों व सभी श्रोताओं का आभार माना।

सना मुगल को किया सम्मानित

माही की गूंज, अलीराजपुर। ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर जामा मस्जिद मुस्लिम पंच कमेटी द्वारा इस मुबारक मोके पर स्कूल में पड़ने वाले होनहार और समाज का नाम रोशन करने बच्चो को सम्मानित किया। इसी कड़ी में अलीराजपुर की सना मुगल, वालिद मुस्तकीम मुगल ने कक्षा 12 वी 75.2 प्रतिशत लाकर समाज और आने माता-पिता का नाम रोशन किया। ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मोके पर जामा मस्जिद चोक पर मंच पर शहर काजी सैय्यद अफजल मियां, सैय्यद फरीद मियां, जामा मस्जिद सदर शाहिद मकरानी ने प्रशंसा पत्र देकर स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बेरोजगार युवा की भर्ती सत्याग्रह पैदल यात्रा को रोके जाने के संबंध में मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, अलीराजपुर। विधायक मुकेश पटेल ने बेरोजगार युवा द्वारा भर्ती सत्याग्रह पैदल यात्रा को भोपाल के बाहर रोका जाने व अन्य मांगो के संबंध में कार्रवाई किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। विधायक पटेल ने बताया कि, प्रदेश के बेरोजगार युवाओं द्वारा पीएससी की नियमित परीक्षा शासन के विभिन्न विभागों में रिक्त पड़े पदो की भर्ती किए जाने की मांग को लेकर, राष्ट्रीय शिक्षित युवा संघ के बैनर तले गांधी जयंती 2 अक्टूबर को इन्दौर से शुरू हुई पदयात्रा 9 अक्टूबर को भोपाल के शाहजहांनी पार्क में समाप्त होनी थी। जिसे प्रशासन द्वारा भोपाल के बाहर ही रोक दिया गया और पदयात्रियों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया जाकर पुलिस वाहनो द्वारा तितर-बितर कर अज्ञात जगहों पर छोड़ दिया गया। विधायक पटेल ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया है कि, भर्ती सत्याग्रह पैदल यात्रा से संबंधित बेरोजगार युवाओं के प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर उनकी मांगो पर चर्चा की जाकर मांगो को हल किए जाने की कार्रवाई हेतु निर्देशित करें।

नशा मुक्ति अभियान के तहत लोगों को नशे से होनें वाले गंभीर दुष्परिणामों से कराया अवगत

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मुख्यमंत्री एवं पुलिस महानिदेशक के द्वारा 8 अक्टूबर को वर्चुअल बैठक में नशे के कारोबार पर सख्त कार्रवाई कर ऐसे तत्वों को समुल नष्ट करनें के निर्देश दिए गए थे। जिस पर अलीराजपुर पुलिस द्वारा 8 अक्टूबर से ही संपूर्ण जिल के थानाक्षेत्रों मे कार्रवाई प्रारंभ करते हुए अवैध शराब, अवैध गांजा, सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर उत्पात मचाने वालों एवं शराब पीकर वाहन चलानें वालों का चैकिंग अभियान चलाया गया तथा अवैध शराब व्यवसाय करने वाले हॉटल, ढाबा इत्यादि के विरूद्ध कार्रवाई की गई है। साथ ही वर्चुअल बैठक में नशाखोरी के प्रति जन जागरूकता अभियान चलाये जानें के निर्देश भी दिए गए थे। अलीराजपुर पुलिस के द्वारा नशाखोरी पर पूर्व से ही जन जागरूकता अभियान चलाया हुआ है, जिसे ओर विस्तृतरूप देते हुए नशा मुक्ति अभियान के रूप में प्रारंभ किया गया है।

जिले में महुआ शराब, ताडी एवं अंग्रेजी शराब का सेवन हरस्तर पर किया जाता है तथा महुआ शराब एवं ताडी ग्रामीण अंचलों में आसानी से भी उपलब्ध हो जाती है तथा ग्रामीण क्षेत्र में शराब/ताडी के सेवन से क्षणिक आवेश मे आकर हत्या, अपहरण, बलात्कार एवं छेडछाड जैसे गंभीर अपराध घटित होते हैं, जिससे ग्रामीण परिवार आर्थिक एवं सामाजिकरूप से काफी प्रभावित होता है, जिसके लिये आवश्यक है, कि अधिक से अधिक लोगों को नशा मुक्ति अभियान से जोडा जाकर नशाखोरी में लिप्त व्यक्तियों को समाज की मुख्य धारा में लाया जाकर एक स्वच्छ समाज का निर्माण में पुलिस मददगार साबित हो सके।

नशा मुक्ति अभियान के तहत दिनांक 10 अक्टूबर को थाना सोण्डवा, फलियामउ, लक्ष्मणी, सोरवा, उदयगढ, नानपुर एवं जोबट में कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के तहत पंचायत एवं सार्वजनिक स्थलों पर ग्रामीणजनों को किसी भी प्रकार का नशा न करने एवं नशे से होनें वाले गंभीर दुष्परिणामों से अवगत कराया गया, पम्पलेट बांटे गए एवं नशा न करने हेतु शपथ भी दिलवाई गई। साथ ही नशे करके वाहन न चलानें की भी स्पष्ट हिदायत दी गई है।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह ने बताया कि, अलीराजपुर पुलिस के द्वारा जन जागरूकता अभियान के माध्यम से पूर्व से ही नशे के विरूद्ध जन जागरूकता का प्रयास किया जा रहा था, जो मुख्यमंत्री एवं पुलिस महानिदेशक के द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में अलीराजपुर पुलिस का नशा मुक्ति अभियान संपूर्ण जिलें में अब ओर वृहदस्तर पर अभियान चलाया जाना प्रारंभ किया गया है।

सांसद जी! कुंभकर्णी नींद से जागो, जनता मांगे जनता एक्सप्रेस

अंचल के स्टेशनों पर कई ट्रेनों के स्टॉपेज़ और समय परिवर्तन की है दरकार

माही की गूंज, झाबुआ/थांदला।

कोरोना काल ने आम जीवन में बड़े बदलाव ला दिए। एक और सरकार आम लोगों को कोरोना काल में या उस दौर के बीत जाने के बाद तक हर सम्भव सहायता की बात करती रही है। तो वहीं दूसरी और लोग अपनी समस्याओं को लेकर आज भी बड़ी परेशानियां झेलकर जीवनयापन कर रहें हैं। झाबुआ जिला आदिवासी बाहुल्य होने के साथ ही अन्तर्राज्यीय सीमाओं का प्रमुख केंद्र भी है। इसी जिले का अति महत्वपूर्ण शहर थांदला, गुजरात व राजस्थान राज्य की सीमाओं को जोड़ता है। अंचल के लोग गुजरात के दाहोद, वड़ोदरा, अहमदाबाद जैसे शहर की मेडिकल सुविधाओं को लेकर इन पर निर्भर है। साथ ही राजस्थान के कुशलगढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ जैसे क्षेत्रों के लोगों के लिए यहां के स्थानीय रेलवे स्टेशनों पर निर्भरता अभी भी है। कोरोना काल के चलते ट्रेनों का बन्द होना। इन क्षेत्रों के लिए बड़ी परेशानियों का कारण बन गया है। आदिवासी बाहुल्य जिले में पलायन के कारण भी ट्रेनों का होना गरीब-मध्यम वर्ग के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

झाबुआ जिले में मेघनगर, थांदला रोड़, बामनिया आदि रेलवे स्टेशनों से बड़ी संख्या में यात्री यात्राएं करते है। तो अमरगढ़, बजरंगगढ़ पंचपिपलिया, भैरोगढ़ जैसे ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाले रेल्वे स्टेशन है। परंतु ये सब स्टेशन आज सिर्फ नाम की औपचारिकता को पूर्ण कर रहे है। इन रेल्वे स्टेशनों से गिनती की ट्रेनों का स्टॉपेज है। साथ ही उनका समय भी यात्रियों के समय के हिसाब से शूट नहीं करता। ऐसे में सिर्फ मजबूरी में ही कुछ लोग इन ट्रेनों का लाभ ले पा रहें है। इसी समस्या के चलते अब अधिकांश लोग तो निजी वाहनों पर निर्भर है। जिसके कारण दुर्घटनाओं का भय और आर्थिक खर्च भी बढ़ गया है।

जनता एक्सप्रेस के शुरू होने से मिलेगी राहत

मुबंई-फिरोजपुर जनता एक्सप्रेस ट्रेन, जो झाबुआ जिलों के रेलवे स्टेशनों से गुजरने वाली प्रातः कालीन मध्यमवर्गीय लोगों की सुविधाजनक ट्रेन थी। यह ट्रेन कोरोना काल के दौरान बन्द कर दी गई। जिसे पुनः शुरू नहीं किया गया। जिसको शुरू करने के लिए आमजनों ने काफी प्रयास किए। परंतु जनप्रतिनिधियों के प्रयास अब तक नाकाफी है। इस ट्रेन के बंद होने से झाबुआ जिले के अलावा राजस्थान के कई शहरों के लोगों के लिए भी परेशानियां बढ़ गई है। इन क्षेत्रों के अधिकांश मरीजों के लिए जनता एक्सप्रेस ट्रेन सुविधाजनक थी। इस ट्रेन से रतलाम से वड़ोदरा तक के यात्री आराम से अपडाउन कर सकते थे।

देहरादून एक्सप्रेस के समय में हो बदलाव से मिल सकती है मदद

दाहोद की ओर जाने वाली देहरादून एक्सप्रेस का समय भी लोगों के लिए सुविधाजनक नहीं है। थांदला रोड़ स्टेशन पर यह ट्रेन जहां सुबह 10.30 बजे आती है। तो वहीं इसके आधे घंटे पहले मेमू ट्रेन इसी रूट से दाहोद तक जाती है। ऐसे में आधे घंटे के अंतराल में दो ट्रेनों के जाने का कोई औचित्य आम नागरिकों के लिए नहीं है। यदि रेलवे प्रशासन जनता एक्सप्रेस को फिर से शुरू नहीं कर सकता हैं, तो इस देहरादून एक्सप्रेस के समय में परिवर्तन कर सुबह 7-8 बजे किया जाए, तो भी लाभकारी होगा। यह भी आशचर्यजनक है कि, दाहोद बड़ोदरा की ओर जाने वाली देहरादून एक्सप्रेस और पैसेंजर गाड़ी मेमू के बाद दाहोद की ओर जाने वाली गाड़ी के बाद साढ़े आठ घण्टे बाद तक कोई ट्रेन नहीं है। इन गाड़ियों के बाद शाम 7:30 बजे तक पार्सल सवारी गाड़ी ही एकमात्र विकल्प है।

लोगों को याद आ रहा पूर्व सांसद भूरिया का कार्यकाल

जिस क्षेत्र से चुनाव जीतकर गुमानसिंग डामोर संसद भवन पहुंचे है। उस संसद में क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के लिए मांग तक नहीं रख पाना सांसद की निष्क्रियता को सिद्ध करता है। क्षेत्र की जनता अब चौराहों पर चर्चाओं में कहने लगी है कि, क्षेत्र के सांसद गुमानसिंग डामोर शायद गुमनाम है या तो कुम्भकर्णीय नींद में सो रहे है। इसलिए जनता की समस्याओं से अनजान है...? क्षेत्र की जनता लम्बे समय से झाबुआ जिले में आने वालों रेल्वे स्टेशनों पर ट्रेनों के स्टॉपेज़ की मांग कर रही है। लगता है सांसद को इस मांग से कोई लेना-देना ही नहीं है। क्षेत्र की जनता पूर्व सांसद कांतिलाल भूरिया के कार्यकाल को याद कर बताती है कि, पूर्व सांसद कांतिलाल भूरिया ने इन रेल्वे स्टेशनों पर कई ट्रेनों के स्टॉपेज करवाए है। जिससे आमजनों को रतलाम से लेकर मुंबई तक की यात्रा में आवागमन को लेकर बड़ी सुविधाएं थी। जहां सोशल मीडिया के माध्यम से हम देशभर के सांसदों के रेल्वे को लेकर किए जा रहे प्रयासों को देखते हैं, तो हमारे क्षेत्रीय सांसद के प्रयास नाकाफी दिखाई देते हैं। ऐसे में हमारे द्वारा सांसद गुमानसिंह डामोर से मोबाइल पर संपर्क करना चाहा तो व्यस्तता के चलते उनके द्वारा फोन नहीं उठाया गया।

रायपुरिया से जूनापानी रोड डबल पट्टी नहीं होने से वाहन चालक परेशान

माही की गूंज, बनी। ऋषभ गुप्ता

मुख्यमंत्री ग्रामीण विकास सड़क योजना के अंतर्गत छोटे गांव को कस्बे से जोड़ने के लिए सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। वही पेटलावद क्षेत्र के छोटे गांव से लेकर बड़े कस्बों को दो लेन में तब्दील करने का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। मगर रायपुरिया से दत्तीगांव-जूनापानी रोड आज भी सिंगल पट्टी रोड है और वह अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है, इस रोड को बने कई वर्ष बीत चुके हैं मगर न तो सरकार और नाही संबंधित विभाग इस ओर ध्यान दे रहा है।

सबसे बड़ी बात तो यह है कि, इस मार्ग पर विश्वमंगल हनुमान धाम तारखेड़ी का प्रसिद्ध स्थान है, जहां प्रति मंगलवार हजारों की संख्या में दर्शनार्थी अपने वाहनों से दर्शन करने आते हैं और सिंगल रोड होने की वजह तथा क्षतिग्रस्त रोड होने के कारण दुर्घटना का शिकार यात्रियो को होना पड़ता है। इस मार्ग पर सांसद गुमानसिंह डामोर का गृह ग्राम उमरकोट भी आता है और सांसद भी इस मार्ग से अपने गृह निवास उमरकोट जाते हैं, मगर उनके द्वारा भी उक्त रोड के विकास कार्य के बारे में कभी आवाज उठाते नहीं देखा गया।

जब आप रायपुरिया से जूनापानी की और सफर करते हैं, तो बनी गांव में प्रवेश करते ही पूरा रोड गड्ढों में तब्दील दिखेगा और हर गड्ढों में पानी भरा मिलने के कारण क्रॉसिंग करते समय कई राहगीरों के कपड़े खराब होने जैसी समस्या और आपसी विवाद से गुजरना पड़ता है। मगर संबंधित विभाग के कान पर जू तक नहीं रेंगती। इस रोड पर इतना अधिक आवागमन है कि, यदि आमने-सामने दो बड़े वाहन क्रॉसिंग करते हैं तो उन्हें क्षतिग्रस्त रोड और अपनी गाड़ी को सुरक्षित निकालने के लिए काफी मशक्कत करना पड़ती है। सावधानी नहीं रख पाने की स्थिति में कई बार इस रोड पर दुर्घटना घटित हो चुकी है।

क्षेत्र में टमाटर की उपज भी होती है और क्षेत्र का टमाटर गुजरात, महाराष्ट्र के साथ दिल्ली तक जाता है। टमाटर की फसल के समय इस रोड़ पर भारी वाहनो की आवजाही भी अत्यधिक हो जाती है। वही किसानों को हर हाल में खुश रखने वाली सरकार इतना अधिक आवागमन होने के बाद भी इस रोड की ओर अपना ध्यान नहीं दे रही है।

रिश्वत मांगना पटवारी को पड़ा भारी, लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथ पकड़ा

माही की गूंज, पेटलावद।

फरियादी चंद्रशेखर राठौर निवासी ग्राम झकनावदा ने हल्का पटवारी द्वारा काम के लिए रिश्वत मांगने की शिकायत लोकायुक्त को की गई थी। जिसके बाद बुधवार को लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी विजय वसुनिया, जयराम वसुनिया पटवारी हल्का न. 74 झकनावदा को रंगे हाथों रिश्वत लेते धरा। आवेदक चंद्रशेखर राठौर के अनुसार उसके चाचा महेश पिता ग़ौरीशंकर राठौर के नाम की ज़मीन में नाम सुधार करवाना था, जिसके लिए पहले वह नायब तहसीलदार फिर तहसीलदार से मिला। किंतु उनके द्वारा कहा गया कि, इसके लिये वह पटवारी से मिले, वही नाम सुधार करेगा। जब आवेदक पटवारी विजय वसुनिया से मिला तो नाम सुधार करने के एवज़ में आरोपी पटवारी द्वारा 10 हज़ार रुपये रिश्वत की माँग की गई। इस संबंध में फरियादी द्वारा कार्यालय पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त इंदौर में शिकायत की गई थी। सत्यापन उपरांत आरोपी पटवारी विजय वसुनिया को फरियादी से प्रथम किस्त के रूप में बुधवार को रिश्वत राशि 4 हजार रूपये लेते हुए, लोकायुक्त टीम इंदौर ने रंगे हाथों ट्रैप किया। भ्रा.नि.अ. धारा 7 के अन्तर्गत कार्यवाही की गई।

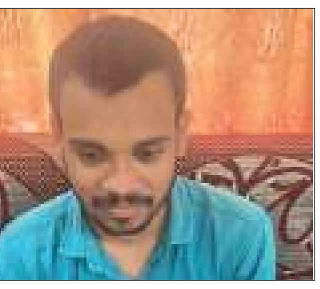

नशामुक्ति की दिलाई शपथ

माही की गूंज, खवासा। जिले में छुट-पुट अवैध शराब विक्रेताओ के विरुद्ध सीएम शिवराजसिंह चौहान के सख्त रवैये के साथ पुलिस आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में सोमवार को खवासा के चौकी प्रभारी श्री कनास ने ग्रामीणजनों को चौकी परिसर में नशामुक्ति हेतु शपथ दिलाई गई। तय है इस तरह से दिलाई जाने वाली नशा मुक्ति हेतु शपथ के बाद एक प्रतिशत भी अमल होकर ग्रामीण नशा मुक्ति हेतु दृढ़ संकल्पित होते हैं, तो जिले में हो रहे बड़े रूप से अवैध शराब के व्यवसाय पर अकुश लगकर जिला एक नई दिशा तय कर सकता है।

महाकाल लोक लोकार्पण पर हुए धर्मिक आयोजन

माही की गूंज, थांदला। 11 अक्टूबर को संस्कृति और धर्म के प्रतीक महाकाल की नगरी उज्जैन में महाकाल लोक का लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह से अभिभूत होकर थांदला नगर के नागरिकों ने भी संस्कृति, धर्म, धरोहर के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया। जहां एक और उज्जैन में लोकार्पण समारोह आयोजित हुआ, वही थादला में भी विभिन्न मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अनुविभागीय अधिकारी अनिल भाना, प्रभारी सीएमओ राहुल वर्मा और स्वच्छता निरीक्षक गौराक सिंह राठौड़, यशदीप अरोड़ा ने बताया कि, महाकाल लोक के लोकार्पण के अवसर पर नगर की अमूल्य धरोहर अति प्राचीन बावड़ी मंदिर और घोड़ा कुण्ड अम्बीकेशवर महादेव मंदिर पर अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा और आम नागरिकों द्वारा श्रमदान किया गया। दोपहर पश्चात पुजा-अर्चना कर हवन किया गया। शाम को दीप प्रज्वलन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकार्पण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। देर शाम को भक्त मलुक दास रामायण मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ भी किया गया। दीपों से महाकाल लोक की आकर्षक रंगोली अंबिकेश्वर महादेव मंदिर पर बनाई गई, विधुत सज्जा भी की गई।

पंचायत सचिव राजपुरा वरसिंह वसुनिया निलम्बित

माही की गूंज, झाबुआ। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ के आदेश दिनांक 11 अक्टूबर 2022 को वरसिंह वसुनिया पंचायत सचिव राजपुरा जनपद पंचायत मेघनगर को वरिष्ठ कार्यालयों के निर्देशों की अवहेलना करने पर प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवासों को पूर्ण नहीं करने, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी स्कीम मध्यप्रदेश के तहत निर्धारित लेबर बजट की पूर्ती नहीं करने, लक्ष्य अनुसार श्रमिक नियोजन नहीं करने एवं अपने पदीय कर्तव्यों के विरूद्ध लापरवाही एवं उदासीनता बरतने आदि कृत्य संपादित करने के कारण निलम्बित किया गया। निलम्बन अवधि में वसुनिया का मुख्यालय, कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत मेघनगर किया गया है।

जनता की आस, भाजपा की परीक्षा और नगर परिषद अध्यक्ष का चयन

थांदला नगर परिषद में अध्यक्ष पद का मुकाबला संगठन वर्सेस धनबल

माही की गूंज, धर्मेंद्र पंचाल

थांदला। 30 सितम्बर को निकाय चुनाव परिणाम के साथ ही नगर परिषद गठन की तस्वीर साफ हो गई। 27 सितम्बर को थांदला निकाय चुनाव के लिए मतदान हुआ था। 30 सितम्बर को आए परिणाम में भाजपा ने 8 वार्डों में, तो कांग्रेस ने 3 वार्डों में जीत हासिल की थी। साथ ही 4 वार्डो में निर्दलियों ने विजय पताका फहराई है। इन 4 निर्दलियों में से 3 निर्दलिय भाजपा के बागी है। निकाय चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद भी संगठन ने किसी भी बागी पर कोई कार्रवाई नहीं की है। चुनाव के नतीजों के बाद निर्दलियों ने लगभग भाजपा को ही अपना परिवार मानते हुए समर्थन के संकेत दिए है। ऐसे में भाजपा संख्या बल में सबसे बड़ा दल बना हुआ है। परंतु एक से अधिक दावेदार होने के चलते यहां पर मुकाबला संगठन वर्सेस धनबल का हो सकता है।

लक्ष्मी सुनील पणदा के नाम की चर्चा जोरों पर

निकाय चुनाव के नतीजों के बाद से ही लक्ष्मी सुनील पणदा का नाम अध्यक्ष पद के लिए पूरे नगर में चर्चा में है। इस नाम की चर्चा इसलिए भी है कि, भारतीय जनता पार्टी की नीति से लक्ष्मी पणदा की नीति मेल खाती है। जिस प्रकार चुनावों में भाजपा बेदाग छवि के उम्मीदवारों की बात करती है। वही छवि लक्ष्मी सुनील पणदा में नगर के लोग अभी तक देखते रहे है। नगर के लिए सुनील पणदा कोई नया नाम नहीं है। सुनील पणदा आरएसएस से लगभग 18-19 वर्षों से जुड़े रहे है। इन वर्षों में संघ के प्रति निष्ठा के चलते विभिन्न दायित्वों का निर्वहन सफलतापूर्वक किया है। ऐसे में नगर के हर व्यक्ति, बच्चे के मुंह पर उनके लिए भाईसाहब का सहज संबोधन देखने को मिलता है। लक्ष्मी पणदा का सबसे बड़ा मजबूत पक्ष यह भी है कि, उनके परिवार की पृष्ठभूमि उस तकबे को महसूस करती है। जिसे आज हर राजनीतिक दल मजबूत बनाने की बात करता है। अध्यक्ष पद के दावेदारों में धापूबाई स्व. गौरसिंग वसुनिया और लीला नाना डामोर भी है। धापूबाई वसुनिया का राजनीति अनुभव अच्छा माना जा सकता है। स्व. गौरसिंग वसुनिया जिला सहकारी बैंक के 3 बार अध्यक्ष रहे है और लंबे समय से भाजपा से सक्रिय थे। तो वहीं लीला डामोर की नगर में पहचान पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामोर की माता तक सीमित है। लीला डामोर कुछ माह पूर्व तक समीप के गांव खजूरी में सरपंच थी।

जनता को भ्रष्टाचार मुक्त नगर विकास की आस

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ा दल है। इस दल का अपना एक संविधान भी है। इसलिए भाजपा संगठन पर आम लोग सर्वाधिक भरोसा कर रहे है। यह सच चुनाव नतीजों से सामने आते रहे है। आमजनों की सीमित मूलभूत समस्याओं की बात करें, तो साफ सफाई, शुद्ध पेयजल और बिजली की व्यवस्थाएं प्रमुख है। यह कार्य नगर पंचायत परिषद के माध्यम से सरकार करवाती रही है। थांदला निकाय चुनाव के बाद से नगर की जनता भाजपा संगठन से उम्मीद लगाए बैठी है कि, नगर विकास के कार्य हो और वो भी बिना भ्रष्ट्र आचरण के। क्योंकि पिछले चुनाव में नगर की जनता ने बड़ी उम्मीदों से भाजपा समर्पित उम्मीदवार को विजय बनाया था। जिसका परिणाम क्या हुआ यह पता भाजपा संगठन को भी है। इन 5 सालों में अनियमितता और भ्रष्ट्राचार के रिकॉर्ड बनाने वाली परिषद इतनी बदनाम हुई है कि, अगर निकाय चुनाव सीधे जनता के माध्यम से अध्यक्ष चुनना होता तो भाजपा चारोंखाने चित हो जाती।

धनबल से पदः ये कयास कितने सार्थक होंगे...?

थांदला निकाय चुनाव में भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की फायनल सूची घोषित करने के बाद अंतिम पलों में वार्ड 3 से भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी के पुत्रवधु की टिकिट कटना और नगर विकास के विवादित पुरुष की माता को टिकिट मिलना, नगर की जनता में शंका पैदा कर गया कि, धनबल से भाजपा संगठन ने हेरफेर किया है। तो चुनाव प्रचार के दौरान तक पूरे वार्ड में अंतिम समय में टिकिट लाने वाले की स्थिति की चर्चा थी कि, उसके लिए परिस्थितियां विपरीत है। फिर इसी वार्ड में धनबल की चर्चाओं ने जोर पकड़ा और वार्ड जीत लिया गया। अब ऐसे कयास लगाए जा रहे है कि, यदि भाजपा का जिला और प्रदेश संगठन धनबल के आगे नमस्तक होता हैं, तो थांदला में फिर से एक बार भाजपा संगठन नगर की जनता को धोखा देगा। इस तरह की चर्चा नगर के चौराहों पर आम हो गई है।

अध्यक्ष के साथ उपाध्यक्ष के लिए भी मारा-मारी

भाजपा में एक अनार सौ बीमार जैसी स्थिति अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए देखी जा रही है। जहां अध्यक्ष के लिए तीन दावेदार सामने है, तो वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति बनती हुई दिखाई दे रही है। भाजपा की गुटीय राजनीति और बड़े नेताओं के हस्तक्षेप के चलते हर कोई अपनी दावेदारी को मजबूत मान रहा है। अब देखना होगा संगठन को सर्वोपरि मानने वाली और चाल, चरित्र व चेहरा की बात करने वाली पार्टी किसके नाम पर मोहर लगाती है...?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422